सोमवार, 6 जुलाई, 2026

www.tvbharatvarsh.in

E-PAPER

कुल पृष्ठ–08

मोलिनक्स की कप्तानी में बना नया इतिहास

Page-04

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

सतलुज रिव्यू फिल्म झकझोर कर रख देगी

Page-05

TMC और शिवसेना UBT में हुई बगावत के मामलों पर बड़ा फैसला करेंगे

लोकसभा स्पीकर ओम बिरला संसद के आगामी मानसून सत्र की शुरुआत से पहले तृणमूल कांग्रेस (TMC) और शिवसेना (UBT) में हुई बगावत के मामलों पर बड़ा फैसला करेंगे। दोनों ही दलों ने अपने-अपने बागी सांसदों को दल-बदल विरोधी कानून के तहत अयोग्य ठहराने की मांग की है। बता दें कि संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू होकर 13 अगस्त तक चलेगा। सूत्रों के मुताबिक लोकसभा अध्यक्ष ने TMC के नेता अभिषेक बनर्जी के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल और पार्टी से अलग हुए ग्रुप से मुलाकात कर उनकी बातें सुनी हैं। इसी प्रकार की प्रक्रिया शिवसेना (UBT) के मामले में भी अपनाई गई। सूत्रों के मुताबिक संसद के विधि एवं संवैधानिक विशेषज्ञों के बीच विचार-विमर्श जारी है। कानूनी रूप से ठोस निर्णय सुनिश्चित करने के लिए विशेषज्ञ दल इसी तरह के मामलों में पीठासीन अधिकारियों (स्पीकर्स) द्वारा पहले लिए गए फैसलों और पुरानी नजीर का भी बारीकी से अध्ययन कर रहे हैं। इन सुझावों के आधार पर ही अध्यक्ष 20 जुलाई से पहले अपना अंतिम निर्णय सुनाएंगे। तृणमूल और शिवसेना (UBT) के बागी समूहों के अलावा द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने भी कांग्रेस से अलग बैठने की व्यवस्था का अनुरोध किया है। कांग्रेस ने तमिलनाडु में दशकों पुराने गठबंधन को तोड़ते हुए मुख्यमंत्री सी.जोसेफ विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कषगम (TVK) से हाथ मिला लिया है।

शिवपुरी बनेगा देश का बड़ा डिफेंस हब

₹2,500 करोड़ की रक्षा परियोजना का शिलान्यास

केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मौजूदगी में शिवपुरी जिले में अडानी डिफेंस एंड एयरोस्पेस की ओर से स्थापित किए जाने वाले दक्षिण एशिया के निजी क्षेत्र के सबसे बड़े मिसाइल एवं एडवांस्ड डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग ईकोसिस्टम का शिलान्यास किया। लगभग 2,500 करोड़ रुपये की लागत से विकसित होने वाली यह परियोजना भारत की रक्षा उत्पादन क्षमता को नई मजबूती देने के साथ-साथ ग्वालियर-चंबल अंचल को देश के प्रमुख डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग केंद्र के रूप में स्थापित करेगी।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि यह परियोजना राष्ट्रनिर्माण, राष्ट्रसेवा और राष्ट्र सुरक्षा के क्षेत्र में एक नए अध्याय की शुरुआत है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत रक्षा क्षेत्र में तेजी से आत्मनिर्भर बन रहा है और मध्य प्रदेश मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में औद्योगिक निवेश का प्रमुख केंद्र बनकर उभर रहा है। उनके अनुसार शिवपुरी में स्थापित होने वाला यह आधुनिक डिफेंस कॉम्प्लेक्स कोटा कॉरिडोर और बॉम्बे-ग्वालियर राष्ट्रीय राजमार्ग के निकट होने के कारण देशभर के सैन्य प्रतिष्ठानों तक रक्षा उपकरणों की तेज और प्रभावी आपूर्ति सुनिश्चित करेगा।सिंधिया ने बताया कि इस परियोजना में आधुनिक मिसाइल प्रणालियों, प्रिसिजन-गाइडेड म्यूनिशन और अत्याधुनिक रक्षा उपकरणों का निर्माण किया जाएगा। इससे भारत की स्वदेशी रक्षा उत्पादन क्षमता और रक्षा निर्यात को बढ़ावा मिलेगा तथा 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान को नई गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से करीब 5,000 प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे। साथ ही ग्वालियर-चंबल क्षेत्र के सैकड़ों सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग (एमएसएमई) रक्षा उत्पादन की सप्लाई चेन से जुड़ेंगे, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी बड़ा लाभ मिलेगा।इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के समक्ष शिवपुरी के विकास से जुड़ी चार प्रमुख मांगें भी रखीं। इनमें लगभग 100 करोड़ रुपये की लागत से 14 किलोमीटर लंबे सर्कुलर रोड का निर्माण, शिवपुरी में 108 फीट ऊंची भगवान शिव की प्रतिमा की स्थापना, राजमाता विजयाराजे सिंधिया मेडिकल कॉलेज में सुपर स्पेशियलिटी विंग और कार्डियोलॉजी विभाग की स्थापना तथा खोड़ में नए शासकीय महाविद्यालय को मंजूरी देने का अनुरोध शामिल रहा। उन्होंने विश्वास जताया कि इन परियोजनाओं से शिवपुरी के विकास को नई गति मिलेगी।सिंधिया ने कहा कि बदरवास की जैकेट निर्माण इकाई, गुना की लगभग 2,000 करोड़ रुपये की सीमेंट ग्राइंडिंग यूनिट और अब शिवपुरी की 2,500 करोड़ रुपये की डिफेंस परियोजना इस बात का प्रमाण हैं कि ग्वालियर-चंबल क्षेत्र तेजी से मध्य भारत का बड़ा औद्योगिक और निवेश केंद्र बन रहा है। उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में यह क्षेत्र रक्षा उत्पादन, रोजगार सृजन और औद्योगिक विकास का महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा।अपने संबोधन के अंत में सिंधिया ने कहा कि शिवपुरी में रक्षा उत्पादन फैक्ट्री का शिलान्यास उनके लिए गर्व का विषय है। उन्होंने बताया कि सिंधिया परिवार की ऐतिहासिक विरासत हमेशा देश की रक्षा क्षमता को मजबूत करने से जुड़ी रही है। महादजी सिंधिया के शासनकाल में कई स्थानों पर आयुध निर्माण कारखाने स्थापित किए गए थे, जबकि महाराजा जीवाजीराव सिंधिया द्वारा स्थापित जीवाजी इंडस्ट्रियल रिसर्च लेबोरेटरी आगे चलकर रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (डीआरडीई) के रूप में विकसित हुई। उन्होंने कहा कि शिवपुरी की यह आधुनिक डिफेंस परियोजना उसी गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाने वाला एक महत्वपूर्ण कदम है।

डॉ. मोहन यादव ने स्मार्ट इंडस्ट्रियल पार्क का भूमि-पूजन किया

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 6 जुलाई को राजधानी भोपाल के सतगढ़ी में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्मार्ट इंडस्ट्रियल पार्क का भूमि-पूजन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश इकलौता राज्य है, जिससे डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का विशेष नाता रहा है। आज डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती के अवसर पर भोपाल को सतगढ़ी स्मार्ट इंडस्ट्रियल पार्क और कन्वेंशन सेंटर की बड़ी सौगात मिली है। आज एक नया इतिहास बन रहा है। यह इंडस्ट्रियल पार्क देश के पहले उद्योग मंत्री डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नाम से जाना जाएगा। हम जो कहते हैं, करके दिखाते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत अपनी अलग पहचान बना रहा है। उन्होंने गरीब, अन्नदाता, युवा और नारी कल्याण पर विशेष जोर दिया। राज्य सरकार प्रदेश के हर वर्ग के कल्याण के लिए कार्य कर रही है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में विकसित हो रहे औद्योगिक क्षेत्र हमारे किसानों के लिए भी समृद्धि का द्वार खोलेंगे। युवाओं को रोजगार मिलेगा। गारमेंट इंडस्ट्री से कपास उत्पादक किसानों को लाभ मिलेगा। हमारी सरकार खेत से कारखाने और उद्योग को बाजार से जोड़ने के लिए कार्य कर रही है। भोपाल प्राकृतिक सुंदरता और झील-तालाबों की नगरी है, लेकिन अब यह स्मार्ट इंडस्ट्रियल पार्क भी राजधानी की पहचान बनेगा। अनेक क्षेत्रों में रोजगार के अवसर सृजित होंगे। भोपाल औद्योगिक नगरी के रूप में नई पहचान बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

पीएम मोदी बोले- भारत बनेगा वैश्विक चिप निर्माण केंद्र

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के साणंद में सीजी सेमी की आउटसोर्स्ड सेमीकंडक्टर असेंबली एंड टेस्ट (ओसैट) सुविधा का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह परियोजना भारत को वैश्विक सेमीकंडक्टर निर्माण केंद्र बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और देश की तकनीकी आत्मनिर्भरता को नई मजबूती प्रदान करेगी।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने विश्वास जताया कि यह संयंत्र जल्द ही अपने निर्धारित उत्पादन लक्ष्य को हासिल कर लेगा। उन्होंने बताया कि इस इकाई में प्रतिवर्ष लगभग 20 करोड़ चिप्स का उत्पादन किया जाएगा। साथ ही उन्होंने कहा कि 'सेमीकॉन इंडिया' कार्यक्रम लगातार गति पकड़ रहा है और देश ने हर वर्ष 50 करोड़ चिप्स के उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया है। प्रधानमंत्री ने उम्मीद जताई कि यह लक्ष्य भी जल्द पूरा होगा और इसके लिए उन्होंने सीजी सेमी की पूरी टीम को बधाई दी।प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत आज दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल फोन निर्माता और दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल निर्यातक देश बन चुका है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2014 की तुलना में

गुना और इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात करीब 11 गुना बढ़ चुका है। उनके अनुसार यह उपलब्धि भारत की विनिर्माण क्षमता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में बढ़ती भागीदारी का प्रमाण है।उन्होंने कहा कि भारत में सेमीकंडक्टर उद्योग का विकास पिछले एक दशक में आई इलेक्ट्रॉनिक्स क्रांति का स्वाभाविक विस्तार है। पहले देश में तैयार उत्पादों का निर्माण बढ़ा, फिर इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट्स का उत्पादन शुरू हुआ और अब सेमीकंडक्टर निर्माण की दिशा में तेजी से काम हो रहा है। इससे इलेक्ट्रॉनिक्स की पूरी वैल्यू चेन भारत में विकसित होगी और देश आयात पर निर्भरता कम करते हुए तकनीकी क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि सेमीकंडक्टर क्षेत्र का विस्तार 'मेक इन इंडिया' और 'विकसित भारत' के संकल्प का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नई परियोजनाएं भारत को वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स और चिप निर्माण उद्योग में अग्रणी देशों की कतार में खड़ा करेंगी तथा रोजगार, निवेश और तकनीकी नवाचार को भी नई गति मिलेगी।

30 दमकल गाड़ियों ने 8 घंटे की मशक्कत के बाद पाया काबू

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के चंदन होला इलाके में रविवार तड़के एक फैक्ट्री में भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। पंजाब नेशनल बैंक के समीप स्थित इस फैक्ट्री में आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही देर में पूरे परिसर को अपनी चपेट में ले लिया। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई टीमें मौके पर पहुंच गईं और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया।दमकल अधिकारी मनीष शेरावत के अनुसार, रात करीब 2:30 बजे आग लगने की सूचना प्राप्त हुई। आग लगभग 5,000 वर्ग गज क्षेत्र में फैली हुई थी और इसकी तीव्रता काफी अधिक थी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एक-एक कर कुल 30 दमकल गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। आग को मध्यम श्रेणी की आग घोषित किया गया और दमकल कर्मियों ने लगातार करीब आठ घंटे तक अभियान चलाकर उस पर पूरी तरह काबू पाया।राहत की बात यह रही कि इस हादसे में किसी के हताहत होने या घायल होने की सूचना नहीं है। हालांकि आग से फैक्ट्री को भारी नुकसान पहुंचने की आशंका जताई जा रही है।फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस और दमकल विभाग के अधिकारी मामले की जांच में जुटे हैं। अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही आग लगने की वास्तविक वजह सामने आ सकेगी।

ममता बनर्जी ने खुद संभाली अध्यक्ष की कमान

तृणमूल कांग्रेस (TMC) की प्रमुख और पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को घोषणा की कि वह पार्टी की राज्य इकाई की अध्यक्ष की भूमिका भी संभालेंगी और मदन मित्रा तथा कुणाल घोष को राज्य समिति में महासचिव के तौर पर शामिल किया। बनर्जी ने एक वीडियो संदेश में कहा AITC चेयरपर्सन के तौर पर, मैं घोषणा करती हूं कि आज से मैं पश्चिम बंगाल राज्य TMC अध्यक्ष की भूमिका भी संभालूंगी। पार्टी समिति में दो और लोगों--मदन मित्रा और कुणाल घोष--को शामिल किया गया है। दोनों को इस समिति का महासचिव नियुक्त किया गया है। यह घटनाक्रम पार्टी के भीतर चल रही अंदरूनी संगठनात्मक कलह और रिताब्रता बनर्जी के नेतृत्व वाले बागी गुट द्वारा पार्टी मुख्यालय पर कब्जा करने के बाद सामने आया है। इस घटनाक्रम के बीच, पश्चिम बंगाल TMC अध्यक्ष और पूर्व मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य ने शनिवार को पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया। यह इस्तीफा पश्चिम बंगाल की राजनीति में मचे भारी हंगामे के बीच आया है; कोलकाता में TMC के राज्य पार्टी कार्यालय के मालिक ने परिसर को अंदर से बंद कर दिया था, क्योंकि ऐसी खबरें आई थीं कि विपक्ष के नेता (LoP) रिताब्रता बनर्जी के नेतृत्व वाले बागी गुट ने इमारत पर कब्जा कर लिया है। ममता बनर्जी को लिखे अपने इस्तीफ़े के पत्र में, भट्टाचार्य ने कहा कि वह जून 2026 में उन्हें मिले राज्य अध्यक्ष के पद से हट रही हैं। उन्होंने पार्टी के बैंक खातों के लिए अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता और भारत के चुनाव आयोग के सामने 'दीदी' के अधिकृत व्यक्ति के तौर पर भी अपना नाम वापस ले लिया। इससे पहले रिताब्रता ने ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस कमेटी के लिए एक नए नेतृत्व ढांचे के गठन की घोषणा की और अरूप रॉय को इसका अध्यक्ष नियुक्त किया। उन्होंने 30 सदस्यों वाली राष्ट्रीय कार्य समिति (NWC) का भी गठन किया और साथ ही दोहराया कि वह चाहते हैं कि ममता बनर्जी TMC में एक मार्गदर्शक (मेंटर) की भूमिका निभाएं। उन्होंने बताया कि 30 सदस्यों वाली समिति में फरहाद हकीम, अरूप बिस्वास, रथिन घोष, सबीना यास्मीन, जावेद खान, संदीपन साहा और अन्य शामिल हैं, जबकि फरहाद हकीम, अरूप बिस्वास, रथिन घोष और सबीना यास्मीन को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

हिन्दी जगत महामंच

www.tvbharatvarsh.in

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक ई–पेपर

प्रदेश का नं. 1 प्रतिष्ठित हिन्दी न्यूज़ ई–पेपर

विज्ञापन दर

साईज	विजिटिंग कार्ड	क्वाटर पेज	हाफ पेज	फुल पेज (अंदर)	फुल पेज (कवर 2 - 3)	फुल पेज (कवर 4 - अंतिम)	(फ्रंट पेज)
रेट	₹ 3000	₹ 6000	₹ 10,000	₹ 20,000	₹ 25,000	₹ 30,000	₹ 100000

8601780000

खामेनेई को दुनिया ने दी अंतिम विदाई

70+ देशों के प्रतिनिधि तेहरान पहुंचे

ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाकर गालिबाफ और विदेश मंत्री अराघची भावुक हो गए और उनकी आंखों से आंसू निकल आए। अंतिम संस्कार में ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन, संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाकर गालिबाफ, न्यायपालिका प्रमुख गुलाम-हुसैन मोहसिनी एजेई और कई वरिष्ठ ईरानी नेता मौजूद रहे।

ईरान के दिवंगत सर्वोच्च नेता अयातुल्ला सैयद अली खामेनेई के अंतिम संस्कार में दुनिया के कई देशों की मौजूदगी देखने को मिली। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने बताया कि 70 से अधिक देशों के प्रतिनिधियों ने अंतिम संस्कार समारोह में हिस्सा लेकर खामेनेई को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि यह समर्थन ईरान और इन देशों के संबंधों के इतिहास में हमेशा याद रखा जाएगा। इस बीच भारत की ओर से भी सरकारी और राजनीतिक प्रतिनिधियों ने तेहरान पहुंचकर अंतिम श्रद्धांजलि अर्पित की। विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि ईरान उन 70 से अधिक देशों का आभारी है, जिन्होंने देश के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई को श्रद्धांजलि देने के लिए अपने प्रतिनिधि भेजे। बता दें तेहरान में जारी अंतिम संस्कार समारोह में हजारों लोग शामिल हुए। प्रेस टीवी के मुताबिक, ग्रैंड इमाम खुमैनी मुसल्ला में आयोजित समारोह में बड़ी संख्या में लोगों ने खामेनेई को अंतिम विदाई दी। इस दौरान ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाकर गालिबाफ और विदेश मंत्री अराघची भावुक हो गए और उनकी आंखों से आंसू निकल आए। अंतिम संस्कार में ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन, संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाकर गालिबाफ, न्यायपालिका प्रमुख गुलाम-हुसैन मोहसिनी एजेई और कई वरिष्ठ ईरानी नेता मौजूद रहे। विदेशी प्रतिनिधियों में तुर्कमेनिस्तान, इराक, आर्मेनिया, ताजिकिस्तान, पाकिस्तान, कुर्दिस्तान क्षेत्र, बांग्लादेश, अजरबैजान, उज्बेकिस्तान, बेलारूस और किर्गिस्तान समेत कई देशों के शीर्ष नेता और प्रतिनिधि शामिल हुए। इसके अलावा रूस, तुर्किये, सऊदी अरब, ओमान, निकारागुआ, कांगो, बुर्किना फासो और अन्य देशों के प्रतिनिधिमंडलों ने भी समारोह में भाग लिया। भारत की ओर से विदेश राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा और बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैयद अता हसनैन ने अंतिम संस्कार में हिस्सा लिया। दोनों ने भारत सरकार और देशवासियों की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित की। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद भी अंतिम संस्कार में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि अयातुल्ला खामेनेई भारत और ईरान के सदियों पुराने सभ्यतागत रिश्तों का प्रतीक थे। उनके अनुसार, दोनों देशों का संबंध केवल कूटनीति तक सीमित नहीं है, बल्कि यह साझा इतिहास और सांस्कृतिक विरासत पर आधारित है। खुर्शीद ने कहा कि खामेनेई ने अपने जीवन के साथ-साथ अपने बलिदान से भी दुनिया को एक संदेश दिया है। वहीं, जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने तेहरान से लौटते समय सोशल मीडिया पर लिखा कि इस दुख की घड़ी में उनकी संवेदनाएं ईरान के नेतृत्व और वहां के लोगों के साथ हैं। बता दें ईरान में खामेनेई के अंतिम संस्कार से जुड़े कार्यक्रम पूरे सप्ताह चलेंगे। उनका पार्थिव शरीर फिलहाल तेहरान के ग्रैंड मुसल्ला में लोगों के अंतिम दर्शन के लिए रखा गया है। मुख्य अंतिम यात्रा सोमवार को तेहरान में निकाली जाएगी। इसके बाद मंगलवार को क़ुम, बुधवार को इराक के नजफ और कर्बला तथा गुरुवार को मशहद में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। ईरान के अनुसार, 10 जुलाई को खामेनेई को उनके जन्म स्थान मशहद स्थित इमाम रज़ा दरगाह में सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा।

250वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को फोन करके बधाई दी

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अमेरिका के 250वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को फोन करके बधाई दी। रूस के सरकारी महल क्रेमलिन के मुताबिक, दोनों नेताओं के बीच फोन पर लगभग 90 मिनट तक बातचीत हुई। इस बातचीत के दौरान राष्ट्रपति पुतिन ने डोनाल्ड ट्रंप को रूस आने का न्योता भी दिया। हालांकि, ट्रंप की इस रूस यात्रा की तारीख या एजेंडे को लेकर अभी कोई पक्की जानकारी नहीं दी गई है। इस बातचीत के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप ने पुतिन से कहा कि अमेरिका जल्द से जल्द युद्ध को खत्म करने और संकट का हल निकालने के लिए तैयार है। रूस के अधिकारियों ने इस बातचीत को काफी काम का और सकारात्मक बताया है। रूस का कहना है कि वह अभी भी बातचीत और कूटनीति के रास्ते से समस्या को सुलझाना चाहता है, लेकिन इसमें उसकी बुनियादी शर्तें शामिल होनी चाहिए। इस बातचीत के साथ ही ट्रंप ने अलग से यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से भी बात की, जिसे जेलेंस्की ने बहुत अच्छी बातचीत बताया। आजादी के इस खास मौके पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि पिछले 250 सालों से अमेरिका पूरी दुनिया के लिए उम्मीद, रोशनी और गर्व का प्रतीक रहा है। उन्होंने भरोसा जताया कि ईश्वर की कृपा से अमेरिका आगे भी ऐसा ही रहेगा। ट्रंप ने कहा कि 4 जुलाई 1776 से लेकर 4 जुलाई 2026 तक अमेरिका ने दुनिया को दिखाया है कि वह हर मुसीबत को हरा सकता है और अपनी आजादी की रक्षा कर सकता है। उन्होंने दावा किया कि आज का अमेरिका पहले के मुकाबले कहीं ज्यादा मजबूत, अमीर, सुरक्षित और भरोसे से भरा हुआ है।

देशभर में मानसून ने पकड़ी रफ्तार

कई राज्यों में बारिश का अलर्ट

स्वामी गोविंद देव गिरी ने रामभक्तों से भावुक अपील की

अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी के मामले पर श्रीरामजन्मभूमि तीर्थक्षेत्र के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देव गिरी ने विस्तृत बयान जारी कर रामभक्तों से भावुक अपील की है। उन्होंने कहा कि रामलला के दानपात्र में श्रद्धालुओं द्वारा अर्पित धनराशि की गिनती के दौरान चोरी की घटना अत्यंत दुखद, पीड़ादायक और शर्मनाक है। उन्होंने कहा कि इस घटना से सभी रामभक्तों की भावनाएं आहत हुई हैं। दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाना चाहिए। स्वामी गोविंद देव गिरी ने कहा कि वह 5 जुलाई को पूर्व निर्धारित श्रीमद्भागवत कथा पूरी करने के बाद अयोध्या पहुंच रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि कोषाध्यक्ष के रूप में उनकी जिम्मेदारी मंदिर के आय-व्यय का लेखा-जोखा रखना है और अब तक का पूरा हिसाब ऑडिटेड है, जिसे अधिकृत व्यक्ति कभी भी जांच सकते हैं। स्वामी गोविंद देव गिरी ने कहा कि ऐसे मंगलमय वातावरण में अयोध्या मंदिर में घटित अविश्वसनीय अर्थ अपहार की घटना ने रामभक्तों का हृदय विदीर्ण कर दिया। कोटि-कोटि भाविकों द्वारा अत्यंत श्रद्धापूर्वक रामलला की हुंडी में समर्पित की हुई धनराशि की गिनती करते समय चोरी करने का जघन्य महापाप कुछ लोगों ने किया। चढ़ावा चोरी का यह क्रम पिछले काफी समय से चल रहा था, यह भी प्रकाश में आया। यह सभी रामभक्तों के लिए अत्यंत दुखदायक, भीषण पीड़ादायक है। इससे हम अत्यंत आहत, दुखी एवं लज्जित हैं। अंत में कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देव गिरी ने कहा, 'हमें विश्वास है भगवान श्रीराम की कृपा से संशय के बादल छटेंगे, अपराध का अंधकार दूर होगा। भविष्य में हमारा प्रयास होगा कि हमारे रामलला का मंदिर विश्व में आदर्श का मंदिर हो। श्रीराम भक्ति की धारा अखंड बहती रहे, हमें रामराज्य लाने तक साधना करनी है। भगवान सनातन धर्म और राम मंदिर की कृति को धूमिल करने के किसी प्रयास को सफल नहीं होने देंगे। ये हमारा अटूट विश्वास है।

पाकिस्तान सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

600 से ज्यादा कार्यकर्ताओं हिरासत में

पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में नागरिक अधिकार कार्यकर्ताओं को बड़े पैमाने पर जेल में डाले जाने के बाद पाकिस्तान सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन काफी तेज हो गए हैं। वहां के स्थानीय संगठनों का दावा है कि प्रशासन ने 600 से ज्यादा कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया है। इस कार्रवाई के विरोध में क्षेत्र के कई इलाकों में लोग सड़कों पर उतर आए हैं। 'संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी' ने अपने मुख्य नेता शौकत नवाज मीर की गिरफ्तारी का कड़ा विरोध किया है। संगठन ने आम जनता से शांतिपूर्ण तरीके से सड़कों पर उतरकर विरोध दर्ज कराने की अपील की है। इसके साथ ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर शौकत नवाज मीर की रिहाई के लिए #ReleaseShoukatNawazMir नाम से एक बड़ा अभियान भी चलाया जा रहा है। जेएएसी के नेता सरदार अमन खान के कई वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहे हैं। इन वीडियो में उन्होंने दावा किया कि PoJK में इस समय राशन और जरूरी दवाओं की भारी किल्लत है। लोगों को जीने के लिए जरूरी बुनियादी सुविधाएं भी नसीब नहीं हो पा रही हैं। उन्होंने जम्मू-कश्मीर के दूसरे हिस्सों में रह रहे लोगों से भी इस मुश्किल घड़ी में समर्थन देने की भावुक अपील की है। समाचार एजेंसी एएनआई की रिपोर्ट के अनुसार, सरदार अमन खान ने पाकिस्तान प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि इस शांतिपूर्ण आंदोलन को दबाने के लिए ताकत या बल का इस्तेमाल किया गया, तो स्थानीय लोग अपने अधिकारों की रक्षा के लिए आगे की कड़ी रणनीति तय करेंगे। जेएएसी ने रविवार को एक बहुत बड़े शांतिपूर्ण प्रदर्शन का बुलावा भेजा है, जिसमें प्रदर्शनकारियों से सफेद झंडे लेकर शामिल होने को कहा गया है। अनुमान लगाया जा रहा है कि PoJK के 10 अलग-अलग जिलों से करीब 5 लाख लोग इस आंदोलन का हिस्सा बन सकते हैं। इससे पहले भी संगठन ने आरोप लगाया था कि पाकिस्तान सरकार शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे लोगों की आवाज को दबा रही है।

250वें स्वतंत्रता दिवस पर

पीएम मोदी ने अमेरिका के लोगों को दी बधाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अमेरिकी नागरिकों को देश के 250वें स्वतंत्रता दिवस पर बधाई दी। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पोस्ट में कहा कि भारत और अमेरिका के बीच रणनीतिक साझेदारी से भी बढ़कर संबंध हैं। उन्होंने लोकतंत्र, कानून के शासन और अपने लोगों की क्षमता के प्रति दोनों देशों की साझा प्रतिबद्धता पर ज़ोर दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच सिर्फ़ रणनीतिक साझेदारी ही नहीं है, बल्कि दोनों देश लोकतंत्र, कानून के शासन और अपने लोगों की असीमित क्षमता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता से जुड़े हुए हैं। द्विपक्षीय संबंधों के भविष्य पर भरोसा जताते हुए पीएम मोदी ने उम्मीद जताई कि अगले 250 साल अमेरिका के लिए और अधिक समृद्धि, शांति और प्रगति लाएंगे और साथ ही भारत-अमेरिका साझेदारी को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप शनिवार को अमेरिका की स्वतंत्रता की 250वीं वर्षगांठ के जश्न में बड़ा प्रोग्राम करने वाले हैं। यह जश्न कई हफ़्तों तक चले कार्यक्रमों का समापन है, जिनकी विरोधियों ने आलोचना की है। विरोधियों का तर्क है कि ये कार्यक्रम तेज़ी से पक्षपाती होते जा रहे हैं। पूरे अमेरिका में लोग पारंपरिक 'फोर्थ ऑफ़ जुलाई' (4 जुलाई) के जश्न के साथ इस ऐतिहासिक मौके को मना रहे हैं। इसमें आतिशबाजी, परेड और कम्युनिटी इवेंट्स शामिल हैं। फिलाडेल्फिया में छह घंटे का कॉन्सर्ट आयोजित किया जा रहा है, जबकि न्यूयॉर्क शहर में दुनिया भर के बड़े जहाज़ों की परेड हो रही है। पीएम मोदी और ट्रंप की मुलाकात पिछले महीने फ्रांस में G7 शिखर सम्मेलन के दौरान हुई थी। फ्रांस के एवियन-लेस-बेन्स इलाके में हुई बैठक के दौरान, ट्रंप ने पीएम मोदी के साथ अपनी बातचीत को बहुत अच्छा बताया था। यह बैठक इसलिए भी महत्वपूर्ण थी क्योंकि यह दोनों देशों द्वारा उन संबंधों को फिर से पटरी पर लाने की कोशिशों के बीच हुई थी जो टैरिफ विवादों, भारत-पाकिस्तान संघर्ष में मध्यस्थता के ट्रंप के दावों पर असहमति, भारतीयों को प्रभावित करने वाले कड़े अमेरिकी आव्रजन उपायों और ओमान के पास कमर्शियल जहाजों से जुड़े अमेरिकी सैन्य हमलों में तीन भारतीय नाविकों की मौत के कारण तनावपूर्ण हो गए थे।

संपादक की कलम से

पानी केवल एक प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि जीवन का आधार है। इसके बिना मानव जीवन, कृषि, उद्योग और पर्यावरण की कल्पना भी संभव नहीं है। विडंबना यह है कि जिस जल को प्रकृति ने अमूल्य धरोहर के रूप में हमें सौंपा है, उसी का सबसे अधिक दुरुपयोग भी हम ही कर रहे हैं। देश के कई हिस्सों में हर वर्ष गर्मियों के दौरान जल संकट गंभीर रूप ले लेता है। कहीं पेयजल के लिए लंबी कतारें लगती हैं तो कहीं किसान सिंचाई के अभाव में अपनी फसलें बचाने के लिए संघर्ष करते हैं। यह स्थिति स्पष्ट संकेत देती है कि यदि अभी भी जल संरक्षण को प्राथमिकता नहीं दी गई, तो आने वाले वर्षों में यह संकट और विकराल हो सकता है।भारत विश्व की सबसे बड़ी आबादी वाले देशों में शामिल है, जबकि मीठे जल के संसाधन सीमित हैं। बढ़ती जनसंख्या, अनियोजित शहरीकरण, भूजल का अत्यधिक दोहन, नदियों का प्रदूषण और वर्षा जल के उचित संचयन की कमी ने समस्या को और गंभीर बना दिया है। अनेक शहरों में भूजल का स्तर लगातार नीचे जा रहा है। कई नदियां औद्योगिक अपशिष्ट और घरेलू कचरे के कारण प्रदूषित हो चुकी हैं, जिससे स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता प्रभावित हो रही है।सरकार ने जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं। 'जल जीवन मिशन', 'अटल भूजल योजना' और वर्षा जल संचयन जैसी पहलें सकारात्मक दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। कई राज्यों में तालाबों और जलाशयों के पुनर्जीवन का कार्य भी किया जा रहा है। हालांकि, केवल सरकारी योजनाओं के भरोसे इस चुनौती का समाधान संभव नहीं है। जब तक समाज का प्रत्येक व्यक्ति जल संरक्षण को अपनी व्यक्तिगत जिम्मेदारी नहीं मानेगा, तब तक अपेक्षित परिणाम प्राप्त नहीं होंगे। हर नागरिक अपने स्तर पर छोटे-छोटे प्रयास करके बड़ा बदलाव ला सकता है। घरों में पानी की बर्बादी रोकना, वर्षा जल संचयन को अपनाना, रिसाव वाले नलों की मरम्मत कराना, पेड़ों का संरक्षण और जल स्रोतों को स्वच्छ रखना ऐसे कदम हैं, जिनका व्यापक प्रभाव पड़ सकता है। कृषि क्षेत्र में ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई जैसी आधुनिक तकनीकों को बढ़ावा देकर भी पानी की बड़ी मात्रा बचाई जा सकती है।विद्यालयों और महाविद्यालयों में जल संरक्षण को व्यवहारिक शिक्षा का हिस्सा बनाया जाना चाहिए, ताकि नई पीढ़ी बचपन से ही इस विषय के प्रति संवेदनशील बने। मीडिया, सामाजिक संगठनों और स्थानीय प्रशासन को भी जन-जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को पानी के महत्व और उसके संरक्षण के प्रति प्रेरित करना चाहिए। जल संकट केवल पर्यावरण का नहीं, बल्कि आर्थिक और सामाजिक विकास का भी प्रश्न है।

चंद्रिमा भट्टाचार्य का इस्तीफा
ममता बनर्जी बोलीं—'मुझे रोकना है तो मारना होगा'

चंद्रिमा के इस्तीफे के बाद ममता बनर्जी ने फेसबुक लाइव आकर कहा, यह देखकर हैरानी होती है कि जिन लोगों ने हमारे टिकट पर चुनाव जीता, वे कह रहे हैं कि पार्टी 2023 से ठीक से काम नहीं कर रही है! अगर ऐसा है, तो आप लोग 2026 में चुनाव कैसे लड़ सकते हैं?

पश्चिम बंगाल की पूर्व मंत्री और ममता बनर्जी की करीबी चंद्रिमा भट्टाचार्य ने आज पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया, जिससे तृणमूल कांग्रेस के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। इस्तीफा देने के बाद चंद्रिमा भट्टाचार्य ने कहा, "ममता जी का मुझ पर जो भरोसा था, वह कमज़ोर पड़ गया था। जब भरोसा और विश्वास ही नहीं रहा, तो पार्टी कार्यकर्ता के तौर पर काम करते रहना मुश्किल हो गया... मैं कुणाल घोष का सम्मान करती हूं, लेकिन मेरी वफ़ादारी पर सवाल उठाने वाले वे कौन होते हैं और किस आधार पर? ममता बनर्जी जानती हैं कि मैं वफ़ादार हूं या नहीं।"

ममता बनर्जी की TMC से इस्तीफ़ा देने के बाद चंद्रिमा भट्टाचार्य ने कहा, "आपने देखा कि कल क्या हुआ। तृणमूल भवन में एक घटना हुई। उसके बाद ममता जी ने मुझसे फ़ोन पर बात की। उन्होंने मुझसे कहा, 'तुमने तृणमूल भवन उन्हें सौंप दिया।' इस बात से मुझे दुख हुआ... ऐसा कहने की कोई ज़रूरत नहीं थी..." इसके बाद चंद्रिमा ने विधानसभा स्पीकर रथिंद्र बसु से मुलाकात की और अपना इस्तीफा उन्हें सौंप दिया। चंद्रिमा के इस्तीफे के बाद ममता बनर्जी ने फेसबुक लाइव आकर कहा, यह देखकर हैरानी होती है कि जिन लोगों ने हमारे टिकट पर चुनाव जीता, वे कह रहे हैं कि पार्टी 2023 से ठीक से काम नहीं कर रही है! अगर ऐसा है, तो आप लोग 2026 में चुनाव कैसे लड़ सकते हैं?' आपको चुनाव चिह्न मैंने ही दिया था और 2026 के चुनावों में आपके नामांकन पर हस्ताक्षर मैंने ही किए थे। चुनाव के दो महीने के भीतर ही आप गद्दार कैसे बन गए?'

ममता ने क्यों कहा-मैं जब तक जिंदा हूं... ममता ने कहा, 'वे गद्दार बीजेपी की इच्छा के अनुसार काम कर रहे हैं। मैं उनसे कहूंगी कि वे सीधे जाकर बीजेपी में शामिल हो जाएं। लेकिन आप याद रखें, मैं अभी भी जिंदा हूं. पार्टी का चुनाव चिह्न कहीं नहीं जाएगा। अगर आप मुझे रोकना चाहते हैं, तो आपको मुझे मारना होगा। बंगाल में बच्चों को मिड-डे मील में अंडे नहीं मिल रहे हैं और आप पुलिस की मदद से इसका गलत इस्तेमाल कर रहे हैं। मैं उन लोगों को दोष नहीं दूंगी जो पार्टी से अलग हो रहे हैं। मुझे पता है कि उन पर दबाव डाला जा रहा है, लेकिन मैं बीजेपी के सामने नहीं झुकूंगी और मेरी पार्टी भी किसी दबाव के आगे नहीं झुकेगी।' TMC में सभी पदों से चंद्रिमा भट्टाचार्य के इस्तीफे पर कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा, "...उन्हें ममता बनर्जी की 'दूसरी आत्मा' माना जाता था... वह इतने लंबे समय तक अनजान बनी रहीं क्योंकि ममता बनर्जी द्वारा बांटी जा रही 'मलाई' का स्वाद बहुत अच्छा था... अब ममता बनर्जी में वह क्षमता नहीं रही... जब कोई जहाज डूबने लगता है, तो चूहे भागने लगते हैं; हम वही मंज़र देख रहे हैं।"

TMC में बगावत पर BJP विधायक जितेंद्र तिवारी ने कहा, "...अगर वे जॉर्ज बुश को भी अपना अध्यक्ष बना लें, तो वे भी दो दिन में पार्टी छोड़ देंगे..."

चंद्रिमा भट्टाचार्य के इस्तीफ़े पर ISF के नौशाद सिद्दीकी ने कहा, "जब तक उन्हें फ़ायदा मिल रहा था, वे वहां बनी रहीं; अब जब फ़ायदा नहीं रहा, तो वे दूसरी तरफ़ चली गईं...वे अपनी ही लड़ाइयां लड़ रहे हैं। हमारा इससे कोई लेना-देना नहीं है... जिस दिन पार्टी सत्ता से बाहर होगी, आपको उनके साथ खड़ा एक भी व्यक्ति नहीं मिलेगा। ज़रा देखिए, दो महीने भी नहीं हुए हैं और पार्टी का क्या हाल हो गया है; यह ख़त्म हो चुकी है..."

प्रशांत किशोर ने एक बड़ा राजनीतिक दांव खेला सरकार तो नहीं बदलेग लेकिन दिशा तय होगी

बिहार की बांकीपुर विधानसभा सीट पर होने जा रहे उपचुनाव ने राज्य के सियासी पारे को बढ़ा दिया है। जन सुराज पार्टी की ओर से खुद को उम्मीदवार घोषित किए जाने के बाद प्रशांत किशोर ने एक बड़ा राजनीतिक दांव खेला है। चुनावी मैदान में उतरते ही उन्होंने विपक्षी महागठबंधन (आरजेडी और कांग्रेस) के सामने दोस्ती का हाथ बढ़ाया है। प्रशांत किशोर ने खुले मंच से तेजस्वी यादव और उनके सहयोगी दलों से मदद की गुहार लगाई है। उन्होंने गठबंधन से अनुरोध किया है कि वे इस चुनाव में जाति और मजहब के पुराने बंधनों को तोड़कर जन सुराज का साथ दें। बांकीपुर सीट से अपनी उम्मीदवारी तय होने के बाद प्रशांत किशोर काफी भावुक नजर आए। उन्होंने कहा कि पिछले चार सालों से जन सुराज ही उनकी जिंदगी, उनका घर और एकमात्र मिशन रहा है। पार्टी ने उन्हें जो जिम्मेदारी दी है, वे उसे पूरा करने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा देंगे। पीके ने दावा किया कि यदि बांकीपुर की जनता का आशीर्वाद उन्हें मिला, तो वे यह चुनाव जरूर जीतेंगे। इससे उनकी पार्टी का हौसला बढ़ेगा और बिहार में बदलाव की शुरुआत होगी। बांकीपुर सीट को पारंपरिक रूप से बीजेपी का मजबूत गढ़ माना जाता है। इस गढ़ को भेदने के लिए प्रशांत किशोर ने विरोधियों से ही समर्थन मांग लिया है। पीके चाहते हैं कि महागठबंधन अपने पारंपरिक वोट बैंक के समीकरणों से ऊपर उठकर, बीजेपी को हराने के लिए उन्हें एक मजबूत विकल्प के रूप में समर्थन दे। उन्होंने मतदाताओं से वादा किया कि अगर वे जीतकर विधानसभा पहुंचते हैं, तो बिना किसी डर के सिर्फ जनता की आवाज उठाएंगे। उन्होंने अपील की कि लोग पार्टी लाइन से अलग हटकर सिर्फ काम करने वाले चेहरे को वोट दें। प्रशांत किशोर ने राज्य की मौजूदा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि यह उपचुनाव सरकार के कामकाज का लिटमस टेस्ट है। जनता सरकार की नीतियों और फैसलों से कितनी खुश है, इसका फैसला बांकीपुर के चुनावी नतीजों से पूरी तरह साफ हो जाएगा। उन्होंने कहा कि यह देखना दिलचस्प होगा कि जनता इस परीक्षा में सरकार को पास करती है या फेल। पीके ने साफ किया कि बांकीपुर उपचुनाव के नतीजों से रातों-रात बिहार की मौजूदा सरकार नहीं गिर जाएगी, लेकिन इस एक सीट का परिणाम बिहार की भविष्य की राजनीति को एक नई और सकारात्मक दिशा जरूर दे सकता है।

राम मंदिर चंदा विवाद के बीच सोमवार को श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की अहम बैठक

राम मंदिर में दान राशि के गबन मामले के बीच श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की सोमवार को अहम बैठक होने जा रही है। सूत्रों के मुताबिक, बैठक में महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी अनिल मिश्रा के इस्तीफों पर फैसला हो सकता है। साथ ही मामले की जांच और SIT जांच से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा होने की संभावना है। सूत्रों के अनुसार, बैठक में चंपत राय और डॉ. अनिल मिश्रा को अपना पक्ष रखने का अवसर दिया जाएगा। इसके बाद ट्रस्ट के सदस्य दोनों के इस्तीफे पर अंतिम फैसला करेंगे। चढ़ावे की गणना और मंदिर प्रबंधन की जिम्मेदारी दोनों के पास होने की वजह से चोरी का मामला सामने आने के बाद से ही वे सवालों के घेरे में हैं। बैठक में केवल इस्तीफों पर ही नहीं, बल्कि चढ़ावा चोरी मामले की जांच कर रही एसआईटी की शुरुआती रिपोर्ट पर भी चर्चा होगी। इसके अलावा दान पात्रों से मिलने वाली राशि की गिनती की व्यवस्था, मंदिर प्रबंधन से जुड़े प्रस्ताव और वित्त वर्ष 2025-26 के ऑडिट पर भी विचार किया जाएगा। चढ़ावा चोरी का मामला 6 जून को सामने आया था। इसके बाद ट्रस्ट की मांग पर 13 जून को एसआईटी का गठन किया गया। 25 जून को एफआईआर दर्ज होने के बाद अब तक 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। बैठक से एक दिन पहले रविवार को राम कचहरी में संत समाज ने ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय के समर्थन में अपनी बात रखी। संतों का कहना है कि SIT की जांच पूरी होने से पहले किसी को दोषी ठहराना सही नहीं है। महंत शशिकांत दास ने कहा कि दोषी कोई भी हो, उसे किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाना चाहिए, लेकिन जांच पूरी होने से पहले किसी को अपराधी घोषित करना गलत है। उन्होंने कहा कि पूरे मामले में केवल चंपत राय को निशाना बनाया जा रहा है, जबकि जांच अभी जारी है। संत सीताराम दास ने कहा कि यदि किसी के पास सबूत हैं तो उन्हें SIT को दें। मीडिया और सोशल मीडिया के जरिए किसी की छवि खराब करना उचित नहीं है। बैठक में मौजूद महंत चंद्राशु महाराज, महंत सत्येंद्र दास वेदांती और अन्य संतों ने भी निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की मांग दोहराई। उन्होंने कहा कि जब तक SIT की रिपोर्ट सामने नहीं आ जाती, तब तक किसी भी व्यक्ति की सार्वजनिक छवि को नुकसान नहीं पहुंचाया जाना चाहिए।

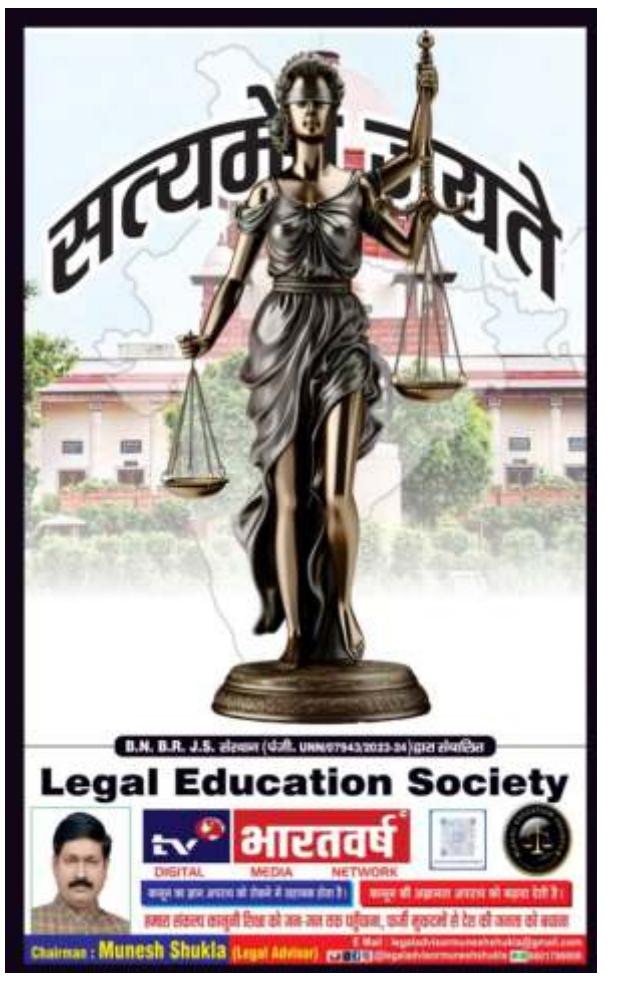

यूके की फास्ट-ट्रैक मास्टर्स डिग्री किसके लिए फायदेमंद और किसके लिए नहीं?

अगर आप ब्रिटेन में पढ़ने की प्लानिंग कर रहे हैं, तो फिर आपने यहां मास्टर्स डिग्री को लेकर एक दिलचस्प चीज देखी होगी। ब्रिटेन में एक साल के भीतर ही मास्टर्स डिग्री मिल जाती है, जबकि अगर कोई अमेरिका, जर्मनी या ऑस्ट्रेलिया जैसे देश में पढ़ने जाए, तो उसे दो साल तक पढ़ाई करनी पड़ती है। इस वजह से छात्रों के साथ-साथ पैरेंट्स के मन में भी ये सवाल उठने लगता है, 'क्या एक साल की मास्टर डिग्री सच में काफी है? या यह कुछ भी ठीक से सीखने के लिए बहुत कम समय है?' दरअसल, ब्रिटेन में अंडरग्रेजुएट कोर्स में मुख्य सब्जेक्ट्स को गहराई के साथ पढ़ाया जाता है, जिस वजह से मास्टर्स में कई सारे टॉपिक को दोबारा से पढ़ने की जरूरत नहीं पड़ती है। ब्रिटेन में मास्टर्स करने के दौरान बिना रुके ही पढ़ाई करनी पड़ती है। क्लास, असाइनमेंट, एग्जाम और फिर एक फाइनल रिसर्च प्रोजेक्ट। ये सभी आमतौर पर 12 महीनों में पूरे हो जाता है। स्टूडेंट्स को कोई ब्रेक भी नहीं मिलता है। इस तरह स्टूडेंट्स को सारी जरूरी चीजें एक साथ जल्दी-जल्दी पढ़ा दी जाती हैं, ताकि वे जॉब के लिए तैयार हो सकें। भारतीयों के लिए तो इनकी जानकारी रखना बेहद जरूरी है। एक वर्षीय मास्टर्स के निम्नलिखित नुकसान हैं।

कम समय: क्लास की शुरुआत तुरंत हो जाती है और फिर कुछ ही महीनों में रिसर्च जमा करने की भी तारीख आ जाती है। इस वजह से इंटर्नशिप, पार्ट-टाइम प्रोजेक्ट्स और अलग-अलग स्पेशलाइजेशन करने के लिए समय नहीं मिलता है।

इंटर्नशिप के कम मौके: दो साल के कोर्स में, स्टूडेंट्स को अक्सर पहले और दूसरे साल के बीच समर इंटर्नशिप करने का मौका मिलता है। ब्रिटेन में एक वर्षीय कोर्स में ज्यादा समय नहीं मिल पाता है।

नेटवर्किंग के लिए कम समय: प्रोफेसर, अल्युमिनी और बाकी के छात्रों के साथ नेटवर्किंग के लिए समय चाहिए, लेकिन एक वर्षीय कोर्स में इसके लिए पर्याप्त समय नहीं मिलता है। इसका असर जॉब के दौरान देखने को मिलता है।

थकान महसूस होना: बहुत सारे ऐसे स्टूडेंट्स होते हैं जो ब्रिटेन में एक वर्षीय मास्टर्स के दौरान थक जाते हैं। उन्हें लगता है कि सारा कोर्स काफी जल्दी हो रहा है, जिस वजह से पढ़ाई थकान भरी लगने लगती है।

जॉब में दिक्कत: कुछ ऐसी कंपनियां भी हैं, जो 2 वर्षीय मास्टर्स डिग्री रखने वाले स्टूडेंट्स को ही नौकरी देने में प्राथमिकता देती हैं। इस वजह से 1 वर्षीय मास्टर्स डिग्री होकर भी नौकरी के लिए संघर्ष करना पड़ता है। अगर आपको समय और पैसा बचाना है, तो फिर आपके लिए एक वर्षीय मास्टर्स प्रोग्राम बिल्कुल फिट है। वर्क एक्सपीरयंस और करियर गोल की जानकारी रखने वाले स्टूडेंट्स भी ब्रिटेन में एक वर्षीय मास्टर्स डिग्री ले सकते हैं। अगर आपको जल्दी से खत्म होने वाले कोर्स से कोई दिक्कत नहीं है, तो फिर आप एडमिशन ले सकते हैं। इसी तरह से अगर आप डिग्री पूरी कर तुरंत जॉब करना चाहते हैं, तो ये कोर्स आपके लिए फिट होगा। अगर आपकी दिलचस्पी स्पेशलाइजेशन में है, तो फिर आपको ब्रिटेन के एक वर्षीय प्रोग्राम में एडमिशन नहीं लेना चाहिए। अगर कोई ऐसा कोर्स कर रहे हैं, जिसमें इंटर्नशिप जरूरी है, तो फिर एडमिशन लेने से बचें, क्योंकि आपके पास इसे पूरा करने के लिए समय नहीं होगा। इसी तरह से अगर आपको धीरे-धीरे पढ़ाई करनी है या फिर बैचलर्स के तुरंत बाद मास्टर्स करना है, तो एडमिशन लेने से बचें।

नाइट वॉचमैन का काम किया, आज जज्बे को सलाम कर रहा देश

अरुणाचल प्रदेश की पटकई की दुर्गम पहाड़ियों में वांचो समुदाय की चर्चा आज देशभर में है। क्योंकि उनका समुदाय का लड़का आज भारतीय फौज में मेजर बन गया है। आर्थिक रूप से कमजोर वांचो परिवार के लिए विपरीत हालातों से लड़कर यह मुकाम हासिल किया है। मेजर लाइचैट पॉल वांगपान की सक्सेस स्टोरी हजारों-लाखों युवाओं के लिए मिसाल बन गई है। देश आज उनके संघर्ष, मेहनत और कामयाबी को सलाम कर रहा है। मेजर लाइचैट पॉल वांगपान अरुणाचल प्रदेश के लोंगडिंग जिले के लोंगफोंग गांव के बेहद गरीब परिवार से आते हैं। कुछ साल तक यहां के लोग बांस, लकड़ी और पत्तियों से बने घरों में रहते थे। बिजली-पानी जैसे बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष करना पड़ता था। हालांकि, हाल के वर्षों में चीजें बेहतर हो रही हैं। गरीबी ने वांगपान को बहुत छोटी-सी उम्र में जिम्मेदारियों का एहसास करा दिया था। आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने की वजह से 8वीं क्लास में स्कूल छोड़ना पड़ा था ताकि परिवार का सहारा बन सकें। जिंदगी मुश्किल थी और मौके कम थे, लेकिन हार मानना कभी कोई ऑप्शन नहीं था। घर का खर्च चलाने के लिए वांगपान ने नाइट वॉचमैन का काम किया। वे सीमा सड़क संगठन के अंतर्गत जनरल रिजर्व इंजीनियर फोर्स में नाइट वॉचमैन थे।

जर्मनी का टूटा वर्ल्ड कप का सपना पैराग्वे ने पेनल्टी शूटआउट में किया बड़ा उलटफेर

ऑस्ट्रेलिया की बादशाहत बरकरार

मोलिनक्स की कप्तानी में बना नया इतिहास

ICC वूमेन्स T20 वर्ल्ड कप 2026 में जीत की लय को बरकरार रखते हुए ऑस्ट्रेलिया ने इतिहास रच दिया। टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में इंग्लैंड को करारी शिकस्त देते हुए ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम ने 7वीं बार खिताब पर कब्जा जमा लिया। इस तरह ऑस्ट्रेलिया ने एक बार फिर अपनी बादशाहत कायम करते हुए इंग्लैंड का दूसरी बार वर्ल्ड चैंपियन बनने का सपना चकनाचूर कर दिया। इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 150 रनों का स्कोर खड़ा किया। इंग्लैंड की ओर से कप्तान नैट साइवर-ब्रंट ने शानदार अर्धशतक जड़ा। इंग्लैंड के 150 रनों के स्कोर के जवाब में ऑस्ट्रेलया की ओर से शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। ऑस्ट्रेलिया ने 151 रनों का लक्ष्य महज 3 विकेट खोकर 17.2 ओवर में हासिल कर लिया। ऑस्ट्रेलिया की ओर से विकेटकीपर-बल्लेबाज बेथ मूनी ने शानदार अर्धशतकीय पारी खेली। मूनी ने 49 गेंदों पर 10 चौकों की मदद से 64 रनों की पारी खेली। वहीं, फीबी लिचफील्ड ने 48 रनों का योगदान दिया। मूनी और लिचफील्ड के बीच दूसरे विकेट के लिए 100 रनों की शानदार पार्टनरशिप हुई। वूमेन्स T20 वर्ल्ड कप फाइनल के इतिहास की ये तीसरी शतकीय साझेदारी है। इससे पहले एलिसा हीली और बेथ मूनी के बीच 2020 T20 वर्ल्ड कप के फाइनल में पहले विकेट के लिए 115 रनों की पार्टनरशिप हुई थी। T20 वर्ल्ड कप फाइनल के इतिहास में सबसे बड़ी साझेदारी का रिकॉर्ड वेस्टइंडीज की हैली मैथ्यूज और सारा टेलर के नाम है। दोनों के बीच 2016 के T20 वर्ल्ड कप फाइनल में पहले विकेट के लिए 120 रनों की साझेदारी हुई थी।

आकृति अग्रवाल के पोस्ट से मची खलबली पृथ्वी को अनफॉलो कर दिया

भारतीय क्रिकेटर पृथ्वी शॉ अपने खेल से ज्यादा अपनी निजी जिंदगी को लेकर लगातार सुर्खियों में बने रहते हैं। इसी साल मार्च में पृथ्वी ने आकृति अग्रवाल के साथ सगाई की थी, लेकिन अब खबरें आ रही हैं कि यह सगाई टूट गई है। हालांकि, इस मामले में अभी तक दोनों की तरफ से कोई भी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। पृथ्वी शॉ की मंगेतर आकृति अग्रवाल ने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर की है, जिसने सोशल मीडिया पर खलबली मचा दी है। इस पोस्ट में उन्होंने सीधे तौर पर पृथ्वी शॉ का नाम तो नहीं लिया है, लेकिन पिछले कुछ समय से चल रही अनबन की खबरों के बीच उनके इस पोस्ट को सगाई टूटने से जोड़कर देखा जा रहा है। आकृति ने इंस्टाग्राम से अपनी सगाई की सभी तस्वीरें डिलीट कर दी हैं और पृथ्वी शॉ को अनफॉलो भी कर दिया है। आकृति ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा, "मुझे कई बार धोखा मिला लेकिन इसके बाद भी मैंने कुछ नहीं कहा। एक कदम आगे बढ़ाने के बाद भी मुझे अभी तक विश्वास नहीं हो रहा है कि यह सब सच है। सारी अफवाहें सच हैं। सोशल मीडिया पर जो कुछ भी दिखाया जा रहा है, वह सब सच है।" हालांकि आकृति ने अपने इस पोस्ट में कहीं भी पृथ्वी या सगाई शब्द का इस्तेमाल नहीं किया, लेकिन लोग इसे उनके रिश्ते के खत्म होने का साफ इशारा मान रहे हैं। पृथ्वी शॉ का क्रिकेट करियर बेहद शानदार शुरू हुआ था। उनकी कप्तानी में भारत ने अंडर-19 वर्ल्ड कप जीता और उन्होंने अपने पहले ही टेस्ट मैच में शतक जड़कर सबको हैरान कर दिया था। लेकिन इसके बाद खराब फॉर्म के कारण वे टीम इंडिया से बाहर हो गए। खेल के अलावा पृथ्वी का विवादों से पुराना नाता रहा है। उन्हें डोपिंग के नियमों के उल्लंघन के कारण बैन का सामना करना पड़ा था, और इसके बाद एक लड़की के साथ बीच सड़क पर हुआ उनका विवाद भी मीडिया में खूब उछला था।

मोरक्को ने फीफा विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली

अज्जेदीन ऊनाही के दो गोल की बदौलत मोरक्को ने फीफा विश्व कप के अंतिम 16 मुकाबले में शनिवार को कनाडा को 3-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। इसके साथ ही मोरक्को एक से अधिक बार विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाला पहला अफ्रीकी देश बन गया। यह लगातार दूसरा विश्व कप है, जिसमें मोरक्को ने क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया है। 2022 में भी वह सेमीफाइनल तक पहुंचने वाली पहली अफ्रीकी टीम बनी थी। पहले हाफ में दोनों टीमों के बीच कोई गोल नहीं हुआ। मैच के 50वें मिनट में अचरफ हकीमी के फ्री-किक पास पर अज्जेदीन ऊनाही ने बॉक्स के बाहर से दाएं पैर से शानदार शॉट लगाकर मोरक्को को 1-0 की बढ़त दिलाई। 82वें मिनट में ब्राहिम डियाज के पास पर ऊनाही ने अपना दूसरा गोल दागकर स्कोर 2-0 कर दिया। इंजरी टाइम के अंतिम मिनट में सुफियान रहीमी ने तीसरा गोल कर मोरक्को की 3-0 से जीत पक्की कर दी। अब मोरक्को का मुकाबला क्वार्टर फाइनल में पैराग्वे और फ्रांस के बीच होने वाले मैच की विजेता टीम से बोस्टन स्टेडियम में होगा। इस हार के साथ सह-मेजबान कनाडा का ऐतिहासिक अभियान समाप्त हो गया। कनाडा ने दक्षिण अफ्रीका को 1-0 से हराकर पहली बार विश्व कप के नॉकआउट चरण का मुकाबला जीता था और अंतिम 16 में पहुंचा था।

इराक में नेताओं के घर रेड में नोटों के साथ क्या-क्या मिला

छापे में सोने के अंडरवियर भी मिले?

इराक में एंटी करप्शन कार्रवाई से जुड़ी कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है. इसमें दावा किया जा रहा है कि एक इराकी सांसद के घर से तलाशी में सोने के अंडरवियर बरामद हुए.

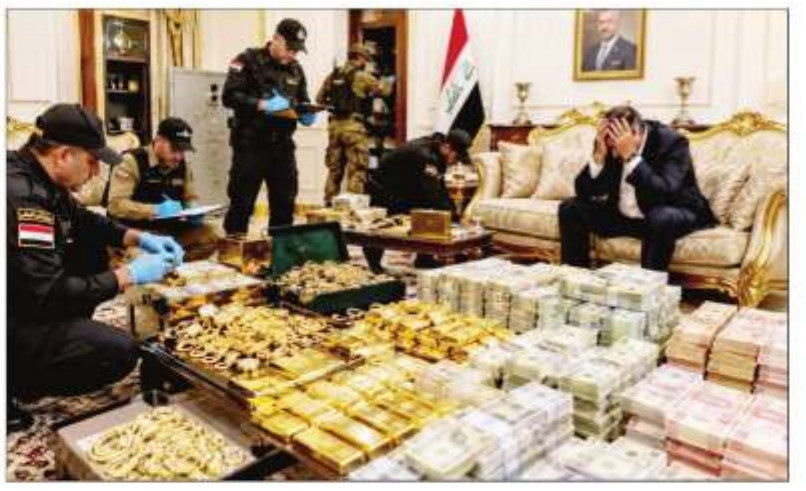

इराक में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार विरोधी अभियान चलाया जा रहा है. इसके तहत इराकी अधिकारियों और सांसदों के पास से भारी मात्रा में कैश, सोना और देश-विदेश में खरीदे गए संपत्तियों का पता चला है. यह पूरा एंटी करप्शन कैंपेन वहां के तेल शोधन मामलों के पूर्व उप मंत्री अदनान अल- जुमैली के कनफेशन के बाद शुरू किया गया. अल जुमैली को पिछले महीने गिरफ्तार किया गया था. उनके निशानदेही पर ही इराक के तेल मंत्रालय से जुड़े अधिकारियों और अन्य सांसदों के घर भी छापेमारी की गई.

अब इराक के इस एंटी करप्शन कैंपेन के तहत जब्त की गई संपत्तियों और कैश की तस्वीरें और खबरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है. अब इन वायरल तस्वीरों और खबरों के जरिए दावा किया जा रहा है कि वहां भ्रष्टाचार विरोधी अभियान में एक सांसद के घर से जब्त किए जा रहे सामान में सोने के अंडरवियर और बिकनी भी मिली है. ऐसी तस्वीरें खूब वायरल हो रही है. ऐसे में चलिए जानते हैं वायरल हो रही इराक से जुड़े इन दावों के पीछे की सच्चाई क्या है? इराक में मंत्रियों और अधिकारियों के घर छापेमारी होने के बाद सोशल मीडिया पर ऐसी तस्वीरें और खबर तेजी से फैली कि वहां दो सांसदों के घर से भारी मात्रा में सोना और कैश मिला है.

अकूत संपत्ति बरामद

चैनल 8 की रिपोर्ट के मुताबिक, सबसे ज्यादा संपत्ति की बरामदगी पिछले महीने गिरफ्तार हुए इराक के पूर्व उप तेल मंत्री अदनान अल-जुमैली के घर से हुई. यहां से सुरक्षा अधिकारियों ने 11 मिलियन डॉलर कैश, 70 प्रॉपर्टी के कागज, 21 गाड़ियां और 3 किलो सोना जब्त किया. वहीं दूसरे सांसद आलिया नसीफ के घर से 15.5 मिलियन कैश और 3 किलो सोना, तेल उप मंत्री अली अल - बहादली के घर से 11 मिलियन डॉलर, लग्जरी घर और गहने बरामद किए. ⊙

एक सांसद जिनका नाम हिंद अल-अब्बासी है, उनके घर से तलाशी के दौरान 57 मिलियन डॉलर कैश, 27 किलो सोना और सोने का अंडरवियर बरामद हुआ है. ⊙

आंख फड़कने को 'अपशगुन' मान मारे थप्पड़

मध्य चीन में एक अंधविश्वासी व्यक्ति को अपनी फड़कती दाहिनी पलक पर बार-बार थप्पड़ मारना महंगा पड़ा. क्योंकि, ऐसा करने के बाद उसकी रेटिना अलग हो गई. आंख फड़कने से उसे डर था कि यह उसके लिए दुर्भाग्य का अपशगुन लेकर न आए, इसे बंद करने के लिए उसने जोर- जोर से अपनी आंख पर थप्पड़ मारे और ऐसा हुआ कि उसकी आंख की रोशनी ही चली गई. साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, दाहिने आंख फड़कने पर इसे अपशगुन समझना एक लोकप्रिय चीनी कहावत से उपजी है. ⊙

सपनों का आशियाना बना मानसिक तनाव का कारण

1.5 करोड़ का घर खरीदने के बाद पछता रहा शख्स

हर इंसान का सपना होता है कि उसका अपना एक घर हो. सालों की मेहनत, सेविंग और भविष्य के सुनहरे सपनों को ध्यान में रखकर लोग बड़ा होम लोन लेते हैं. लेकिन कभी-कभी जिंदगी अचानक ऐसा मोड़ ले लेती है कि वही सपना सबसे बड़ी चिंता बन जाता है. कुछ ऐसा ही हुआ एक व्यक्ति के साथ, जिसने अच्छी कमाई के भरोसे 1.5 करोड़ रुपये का फ्लैट खरीद लिया, लेकिन कुछ ही समय बाद हालात इतने बदल गए कि अब उसे अपने फैसले पर पछतावा हो रहा है. इस व्यक्ति ने अपनी कहानी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म रेडिट पर शेयर की. उसने बताया कि करीब एक

साल पहले, जब उसकी सालाना कमाई लगभग 25 लाख रुपये थी, तब उसने 1.5 करोड़ रुपये का अपार्टमेंट खरीद लिया. उस समय उसे लगा कि उसकी इनकम लगातार बढ़ेगी और वह आराम से होम लोन की ईएमआई चुका पाएगा. ⊙

महिला ने शेयर किया अपना अनुभव

भारत से अलग है जर्मनी का जॉब मार्केट

जर्मनी में रहने वाली एक भारतीय महिला ने सोशल मीडिया पर बताया कि वहां नौकरी पाना भारत की तरह आसान नहीं है. उनके अनुसार जर्मनी में कैंपस प्लेसमेंट की सुविधा नहीं होती और नौकरी के लिए हर उम्मीदवार को खुद आवेदन करना पड़ता है.

काफी ज्यादा कंपटीशन,लैंग्वेज बैरियर और लगातार मिलने वाले रिजेक्शन इस प्रक्रिया का हिस्सा हैं. हालांकि उन्होंने कहा कि धैर्य और लगातार कोशिश करने वाले लोगों को आखिरकार सफलता जरूर मिलती है.

विदेश में पढ़ाई या नौकरी करने का सपना हर साल हजारों भारतीय छात्र देखते हैं. कई लोगों

को लगता है कि एक बार जर्मनी जैसे विकसित देश पहुंच गए तो अच्छी नौकरी आसानी से मिल जाएगी. लेकिन जर्मनी में रहने वाली भारतीय महिला श्रुति ने सोशल मीडिया पर अपने अनुभव शेयर करते हुए बताया कि वहां नौकरी पाना बिल्कुल भी आसान नहीं है. उन्होंने बताया कि जर्मनी में भर्ती प्रक्रिया भारत से काफी अलग है और नौकरी पाने के लिए लंबे समय तक धैर्य, मेहनत और लगातार कोशिश करनी पड़ती है. श्रुति ने अपनी पोस्ट की सीरीज का नाम जर्मनी में जॉब कि रियलिटी रखा है. ⊙

सतलुज रिव्यूः इमोशनली झिंझोड़ देगी फिल्म

भयानक जख्म की तस्वीर बने दिलजीत

सुबोध मिश्रा, आजतक

समझ नहीं आ रहा कि मुझे ज्यादा अचंभा किस बात पर हुआ. जसवंत सिंह खालड़ा और पंजाब पुलिस के फेक एनकाउंटर्स की कहानी पर?
या इस बात पर कि इन कहानियों पर बनी फिल्म कई सालों से थिएटर्स में आने की जंग लड़ते-लड़ते आखिरकार एक दिन नए नाम के साथ अचानक ओटीटी पर आ गई! दोनों बातों में अपनी तरह की हताशा और उम्मीद है. और डायरेक्टर हनी त्रेहान की 'सतलुज' ऐसी ही हताश करने वाली, शॉक करने वाली और थोड़ी सी उम्मीद देने वाली फिल्म है.

पर इन सबसे ज्यादा ये पंजाब की भोगी सबसे बड़ी त्रासदियों में से एक के बीच, इंसानों के राक्षस बन जाने की कहानी है. 'सतलुज' उन कहानियों में से एक है जो विश्वास दिलाती हैं कि राक्षस कोई मिथकीय किरदार नहीं हैं. ⊙

श्रीकृष्ण की बांसुरी से देश को वन्देमातरम का संदेश दिया

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। भारतेन्दु नाट्य अकादमी की रंग पाठशाला में ग्रीष्मकालीन बाल रंगमंच कार्यशाला में %कर्मण्येवाधिकारस्ते-मुरली से मातृभूमि तक% का मंचन हुआ। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक मुख्य अतिथि थे। नाटक में भगवान श्रीकृष्ण के जीवन की घटनाएं दर्शाई गईं। इस प्रस्तुति में अनेक बाल कलाकारों ने भाग लिया। भारतेन्दु नाट्य अकादमी (बीएनए) की रंग पाठशाला के तहत आयोजित ग्रीष्मकालीन बाल रंगमंच कार्यशाला में तैयार प्रस्तुति कर्मण्येवाधिकारस्ते-मुरली से मातृभूमि तक का मंचन अकादमी के राज बिसारिया प्रेक्षागृह में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक रहे। मशहूर रंगकर्मी वॉल्टर पीटर के लेखन व निर्देशन मंचित नाटक थिएटर इन एजुकेशन पद्धति पर आधारित रहा। नाटक भगवान श्रीकृष्ण के जन्म, उनकी बाल लीलाओं और कंस वध से होते हुए कुरुक्षेत्र के मैदान तक पहुंचता है, जहां श्रीकृष्ण अर्जुन को श्रीमद्भगवद्गीता का अमर संदेश देते हैं। इसके बाद, कहानी स्वामी विवेकानंद के प्रसंग पर आगे बढ़ती है जो गीता के इस ज्ञान को जन-जन तक पहुंचाकर श्रीकृष्ण की बांसुरी के सुरों को देश के लिए वंदे मातरम के राष्ट्रभक्ति संकल्प में बदल देते हैं। इस शानदार प्रस्तुति में स्वरांश पाण्डेय (नारद), समर प्रताप शाही (कंस), नीतिज्ञ मेहरोत्रा (अर्जुन), अभिषेक कन्नौजिया (भीष्म पितामह) सहित अर्णव द्विवेदी, ऋषि त्रिवेदी, रमा साहनी, अनामिका साहू, सान्वी सिन्हा, अनामिका गौतम, आनिया वर्मा और साएशा यादव जैसे दर्जनों प्रतिभाशाली बाल कलाकारों ने विभिन्न पौराणिक व ऐतिहासिक किरदारों को मंच पर बेहद खूबसूरती से जीवंत किया है। मंचन में पचार से अधिक बाल कलाकार शामिल रहे। इस दौरान अकादमी अध्यक्ष डा. रति शंकर त्रिपाठी, बिपिन कुमार समेत अकादमी के अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। नाटक का मंचन छह और सात जुलाई को भी होगा।

मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान और निःशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन

स्वतंत्र भारत सरोजनीनगर। सरोजनीनगर विधानसभा क्षेत्र में विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह के आपका विधायक, आपके द्वार अभियान के 174वें सप्ताह के तहत रविवार को तारा खेड़ा ग्राम पंचायत में ग्राम बैठक आयोजित की गई। बैठक में ग्रामीणों से संवाद कर क्षेत्र की समस्याएं सुनी गईं और विकास कार्यों व जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा की गई। संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के शीघ्र समाधान के निर्देश भी दिए गए। बैठक के दौरान ग्राम पंचायत के मेधावी विद्यार्थियों वंदना वर्मा, अनुराधा, सलमा और ललित को सम्मानित किया गया। विधायक ने कहा कि शिक्षा समाज और राष्ट्र निर्माण की मजबूत नींव है तथा प्रतिभाओं को सम्मानित करने से अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरणा मिलती है। कार्यक्रम के साथ विजन प्लस के सहयोग से निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर भी लगाया गया। शिविर के तहत 50 जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क पावर के चश्मे उपलब्ध कराए जाएंगे। विधायक ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, भाजपा कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

कहानी सत्र में बच्चों को धैर्य और सूझबूझ का मिला संदेश

स्टोरीमैन जीतेश श्रीवास्तव ने बच्चों को नाई और सरपंच की प्रेरक कहानी सुनाई

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। उत्तर प्रदेश ग्रामीण महिला एवं बाल कल्याण सोसाइटी द्वारा बाराबंकी के मंजीठा गांव स्थित जागो री जागो अनौपचारिक शिक्षण केंद्र में बच्चों के लिए प्रेरक कहानी सत्र आयोजित किया गया। लोक संस्कृति शोध संस्थान की मासिक श्रृंखला दादी-नानी की कहानी, जीतेश की जुबानी के तहत स्टोरीमैन जीतेश श्रीवास्तव ने बच्चों को नाई और सरपंच की प्रेरक कहानी सुनाई। इस दौरान बच्चों को कॉपी और पेंसिल भी वितरित की गई। कार्यक्रम की शुरुआत मनोरंजक खेलों और उच्चारण अभ्यास से हुई। कहानी के माध्यम से बच्चों को विपरीत परिस्थितियों में धैर्य, साहस और सूझबूझ से काम लेने का संदेश दिया गया। कहानी के बाद बच्चों से प्रश्न पूछे गए, जिनका उन्होंने उत्साहपूर्वक उत्तर दिया। इस अवसर पर अर्चना गुप्ता ने कविता जिसने सूरज-चाँद बनाया का सस्वर पाठ किया, जिसमें बच्चों ने भी सहभागिता की। कार्यक्रम में वरिष्ठ समाजसेवी खुशीराम वर्मा, लोक संस्कृति शोध संस्थान की संरक्षक आभा शुक्ला, सचिव डॉ. सुधा द्विवेदी, डॉ. एस.के. गोपाल, केंद्र के व्यवस्थापक चंद्रप्रकाश वर्मा सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

जरूरतमंदों को कराया गया निःशुल्क भोजन

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। इंडियन हेल्पलाइन सोसाइटी (पंजी.) द्वारा संचालित बृज की रसोई के तहत रविवार को लखनऊ के आशियाना क्षेत्र में निःशुल्क भोजन वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान करीब 2000 जरूरतमंद, असहाय और वंचित लोगों को सम्मानपूर्वक भोजन वितरित किया गया। संस्था के संस्थापक विपिन शर्मा ने बताया कि अभियान का उद्देश्य जरूरतमंद लोगों तक पौष्टिक भोजन पहुंचाने के साथ सेवा और सामाजिक सहयोग की भावना को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम के दौरान स्वयंसेवकों ने स्वच्छता और अनुशासन के साथ भोजन तैयार कर निर्धारित स्थानों पर वितरण किया। संस्था के पदाधिकारियों ने कहा कि यह पहल केवल भोजन वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में करुणा, सहयोग और मानवीय संवेदनाओं को मजबूत करने का प्रयास है। कार्यक्रम के सफल आयोजन में संस्था के पदाधिकारियों, स्वयंसेवकों और सहयोगकर्ताओं ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

ला मार्टिनियर कॉलेज में एक्टिव सीआईएससीई कार्यशाला, 320 प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। ला मार्टिनियर कॉलेज में आयोजित एकदिवसीय एक्टिव सीआईएससीई कार्यशाला में प्रदेश के सभी जोन से करीब 320 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कार्यशाला का उद्देश्य विद्यालयों में स्वास्थ्य, शारीरिक फिटनेस और खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के साथ शारीरिक शिक्षा शिक्षकों, प्रशिक्षकों और खेल समन्वयकों को एक्टिव सीआईएससीई कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रशिक्षित करना था। उद्घाटन सत्र में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता नहीं, बल्कि विद्यार्थियों का शारीरिक, मानसिक और समग्र विकास भी है। उन्होंने कहा कि खेल और नियमित शारीरिक गतिविधियां अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता विकसित करती हैं। कार्यशाला में प्रतिभागियों को फिटनेस मूल्यांकन की नई प्रक्रियाओं, कार्यक्रम के अद्यतन प्रावधानों और विद्यालयों में शारीरिक फिटनेस को दैनिक गतिविधियों का हिस्सा बनाने के तरीकों की जानकारी दी गई। सीआईएससीई के अनुसार, उसके 3,300 से अधिक संबद्ध विद्यालयों के 31.24 लाख से ज्यादा विद्यार्थी एक्टिव सीआईएससीई कार्यक्रम से जुड़ चुके हैं, जिनमें 29.15 लाख विद्यार्थियों ने सफलतापूर्वक फिटनेस मूल्यांकन पूरा किया है।

रामविलास पासवान को श्रद्धांजलि, संगठन मजबूत करने का आह्वान

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) की उत्तर प्रदेश (मध्य) इकाई की ओर से रविवार को लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में पार्टी के संस्थापक एवं पद्म विभूषण स्व. रामविलास पासवान की 80वीं जयंती मनाई गई। कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों और समर्थकों ने भाग लेकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का आयोजन प्रदेश अध्यक्ष अरविंद पासवान के निर्देशन में किया गया। मुख्य अतिथि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने स्व. रामविलास पासवान और डॉ. भीमराव आंबेडकर के चित्रों पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने अपने संबोधन में रामविलास पासवान के सामाजिक न्याय, समानता और वंचित वर्गों के उत्थान में योगदान को याद करते हुए कार्यकर्ताओं से उनके आदर्शों पर चलने का आह्वान किया। साथ ही वर्ष 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में सभी सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी करने तथा बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने का संदेश दिया। विशिष्ट अतिथि जमुई सांसद एवं उत्तर प्रदेश प्रभारी अरुण भारती ने भी संगठन की मजबूती और जनसेवा को प्राथमिकता देने पर बल दिया। कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष अरविंद पासवान, राष्ट्रीय प्रवक्ता धीरेन्द्र कुमार मुन्ना, प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष अश्वनी श्रीवास्तव, प्रदेश उपाध्यक्ष आनंद सिंह, प्रदेश प्रधान महासचिव महेश सिंह भदौरिया, प्रदेश उपाध्यक्ष पीयूष सोमानी, प्रदेश महासचिव शारदा प्रसाद श्रीवास्तव, प्रदेश महासचिव एवं मीडिया प्रभारी लोकेश श्रीवास्तव, प्रदेश महासचिव चन्द्र गणेश सिंह, प्रदेश महासचिव सुनील सिंह, प्रदेश अध्यक्ष (प्रबुद्ध प्रकोष्ठ) अनिल कुमार त्रिपाठी, प्रदेश अध्यक्ष (महिला प्रकोष्ठ) आरती पाण्डेय, प्रधान महासचिव जीतेन्द्र कुमार सिंह, सचिव एवं कार्यालय प्रभारी दीपू गुप्ता, मंडल प्रभारी वेद प्रकाश, लखनऊ अध्यक्ष नरेन्द्र पासवान, महानगर अध्यक्ष प्रवीण मिश्रा तथा लखनऊ जिला प्रभारी शम्भूनाथ गुप्ता सहित पार्टी के विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारी, मंडल प्रभारी, जिलाध्यक्ष और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। समारोह के समापन पर सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने स्व. रामविलास पासवान के बताए सामाजिक समरसता, संगठनात्मक एकता, संवैधानिक मूल्यों और जनसेवा के मार्ग पर निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया।

सीएमएस में सीआईएसवी यूथ मीटिंग का ओपन डे

सात देशों के बच्चों ने बिखेरे संस्कृति के रंग

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। सिटी मॉन्टेसरी स्कूल (सीएमएस) के कानपुर रोड परिसर में आयोजित 15 दिवसीय सीआईएसवी यूथ मीटिंग का ओपन डे समारोह शनिवार को आयोजित हुआ। कार्यक्रम में ब्राजील, इंडोनेशिया, इटली, नॉर्वे, स्वीडन, वियतनाम और भारत के 12 से 13 वर्ष आयु वर्ग के बाल प्रतिनिधियों ने गीत, संगीत, लोकनृत्य और शिक्षात्मक-सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से विश्व एकता, शांति और सौहार्द का संदेश दिया। समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और विश्व एकता प्रार्थना से हुआ। इस अवसर पर सीएमएस प्रबंधक प्रो. गीता गांधी किंगडन ने कहा कि यह बहुभाषी और बहुसांस्कृतिक आयोजन बच्चों में अंतरराष्ट्रीय समझ, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और वैश्विक दृष्टिकोण विकसित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। वहीं, सीएमएस इंडिया के लखनऊ चैप्टर की सचिव रीना सोटी ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों में प्रेम, सहिष्णुता, सहयोग और विश्व बंधुत्व की भावना को मजबूत करते हैं। आयोजकों के अनुसार, 24 जून से 8 जुलाई तक चल रही यह 15 दिवसीय अंतरराष्ट्रीय यूथ मीटिंग इंग्लैंड की चिल्ड्रेन्स इंटरनेशनल समर विलेज (सीआईएसवी) संस्था के तत्वावधान में आयोजित की जा रही है। इसका उद्देश्य विभिन्न देशों के बच्चों को एक साझा मंच पर लाकर सांस्कृतिक संवाद, शांति शिक्षा और वैश्विक नागरिकता की भावना को बढ़ावा देना है। शिविर के दौरान प्रतिभागियों के आवास, भोजन, भ्रमण, खेलकूद और अन्य सभी व्यवस्थाएं सीएमएस द्वारा उपलब्ध कराई जा रही हैं।

नगर के पांच वार्डों में हाईमास्ट लाइटों का लोकार्पण, रात में बढ़ेगी रोशनी और सुरक्षा

स्वतंत्र भारत (ब्यूरो) उन्नाव। नगर पालिका परिषद उन्नाव ने शहर की प्रकाश व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक और कदम बढ़ाते हुए शनिवार को नगर के विभिन्न वार्डों में पांच नई हाईमास्ट लाइटों का लोकार्पण किया। नगर पालिका अध्यक्ष श्वेता भानू मिश्रा ने इन हाईमास्ट लाइटों का उद्घाटन कर उन्हें क्षेत्रवासियों को समर्पित किया। नई व्यवस्था से रात्रिकालीन आवागमन अधिक सुरक्षित और सुगम होने के साथ ही शहर की सुरक्षा व्यवस्था को भी मजबूती मिलने की उम्मीद है।

नगर पालिका परिषद द्वारा हाईमास्ट लाइटें वार्ड संख्या-8 बाबूगंज में सेंट ज्यूड्स स्कूल वाली गली के मोड़, वार्ड संख्या-4 राजेपुर में विशाल मोटर्स के पास, वार्ड संख्या-27 आवास विकास बी-ब्लॉक में मामा कपड़े वाली गली (सिंधु भवन के निकट), तथा वार्ड संख्या-12 शिवनगर में कोयला वाली गली और आईबीपी चैराहे पर स्थापित की गई हैं।

इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्वेता भानू मिश्रा ने कहा कि नगर के प्रत्येक वार्ड में आधुनिक और गुणवत्तापूर्ण नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि बेहतर प्रकाश व्यवस्था से जहां नागरिकों को रात के समय आवागमन में सुविधा मिलेगी, वहीं असामाजिक गतिविधियों पर भी प्रभावी अंकुश लगेगा और सुरक्षा का वातावरण मजबूत होगा।

उन्होंने बताया कि नगर में अब तक नौ नई हाईमास्ट लाइटों का लोकार्पण किया जा चुका है। आगामी चरण में शहर के अन्य प्रमुख स्थलों पर भी हाईमास्ट लाइटें स्थापित की जाएंगी, जिससे पूरे नगर की प्रकाश व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी तथा नागरिक सुविधाओं के विस्तार के साथ नगर के समग्र विकास को गति मिलेगी।

नई हाईमास्ट लाइटों के शुरू होने पर क्षेत्रवासियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे जनसुविधा और सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया। लोगों ने कहा कि नगर के विभिन्न हिस्सों में हाईमास्ट लाइटों की स्थापना से न केवल अंधेरे वाले क्षेत्रों में रोशनी पहुंचेगी, बल्कि शहर का स्वरूप भी आधुनिक और आकर्षक बनेगा।

उन्होंने नगर पालिका परिषद और अध्यक्ष श्वेता भानू मिश्रा का आभार व्यक्त करते हुए विकास कार्यों की निरंतरता पर विश्वास जताया।

लोकार्पण कार्यक्रम में आवास विकास के सभासद अशोक सिंह मुन्ना, तकी नगर के सभासद अरफात बेग, आशु सिंह, राजेपुर सभासद प्रतिनिधि मुन्नीलाल सहित विनय, सुनील तिवारी, संजय त्रिवेदी, दीपू मिश्रा, सुशील शुक्ला, सिद्धार्थ, मोहित शुक्ला, शशिकांत तिवारी, राजन, आशीष, दीपू एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

फर्जी मेडिकल प्रमाणपत्रों पर ड्राइविंग लाइसेंस जारी करने का आरोप, छात्र संगठन ने डीएम से कीउच्चस्तरीय जांच की मांग

स्वतंत्र भारत (ब्यूरो) उन्नाव। सहायक संभागीय परिवहन (एआरटीओ) कार्यालय में कथित रूप से बिना समुचित प्रशिक्षण और फर्जी मेडिकल प्रमाणपत्रों के आधार पर बड़ी संख्या में ड्राइविंग लाइसेंस जारी किए जाने के आरोपों को लेकर शनिवार को छात्रसंघ बहाली मोर्चा ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर उच्चस्तरीय जांच की मांग की। संगठन ने चेतावनी दी कि यदि 15 दिनों के भीतर दोषियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई तो लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन शुरू किया जाएगा। छात्रसंघ बहाली मोर्चा के फाउंडर चेयरमैन अनस साहू के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि एआरटीओ कार्यालय में विभिन्न श्रेणी के ड्राइविंग लाइसेंस बिना निर्धारित प्रशिक्षण प्रक्रिया पूरी कराए और कथित फर्जी मेडिकल प्रमाणपत्रों के आधार पर जारी किए जा रहे हैं। संगठन का कहना है कि इससे सड़क सुरक्षा गंभीर रूप से प्रभावित हो रही है और अनुभवहीन चालकों के कारण सड़क दुर्घटनाओं का खतरा लगातार बढ़ रहा है। ज्ञापन में कहा गया कि उन्नाव से कानपुर स्थित विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों और कोचिंग संस्थानों तक प्रतिदिन हजारों छात्र बसों, ऑटो और अन्य व्यावसायिक वाहनों से सफर करते हैं। ऐसे में यदि बिना प्रशिक्षित चालकों को लाइसेंस जारी किए जाते हैं तो यात्रियों, विशेषकर छात्रों की सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है।संगठन ने हाल ही में एआरटीओ कार्यालय में तैनात डेटा एंट्री ऑपरेटर शिव सिंह द्वारा लगाए गए आरोपों का भी उल्लेख किया। ज्ञापन के अनुसार, उन्होंने दावा किया था कि बिना प्रशिक्षण और कथित फर्जी मेडिकल प्रमाणपत्रों के आधार पर बड़े पैमाने पर ड्राइविंग लाइसेंस जारी किए गए। साथ ही कुछ अधिकारियों, कर्मचारियों और मोटर ड्राइविंग प्रशिक्षण स्कूलों के संचालकों की भूमिका पर भी सवाल उठाए गए थे। संगठन का आरोप है कि जेसीबी, क्रेन, हाइड्रा, रोड रोलर और ई-रिक्शा जैसे वाहनों के प्रशिक्षण की पर्याप्त व्यवस्था न होने के बावजूद प्रशिक्षण प्रमाणपत्र जारी कर लाइसेंस बनाए गए। ज्ञापन में वर्ष 2024 में दो प्रशिक्षण स्कूल संचालकों द्वारा निर्धारित मानकों से अधिक प्रारूप-5 प्रमाणपत्र जारी किए जाने के मामले का भी उल्लेख किया गया। संगठन का कहना है कि जांच में दोषी पाए जाने पर उनके लाइसेंस तो निरस्त कर दिए गए, लेकिन पूरे प्रकरण की व्यापक जांच और जिम्मेदार अधिकारियों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। छात्रसंघ बहाली मोर्चा ने जिलाधिकारी से पूरे मामले की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराकर दोषी अधिकारियों, कर्मचारियों और संबंधित प्रशिक्षण स्कूल संचालकों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की है। संगठन का कहना है कि सड़क सुरक्षा से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जानी चाहिए।वहीं, एआरटीओ श्वेता वर्मा ने संगठन द्वारा लगाए गए सभी आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि ड्राइविंग लाइसेंस जारी करने की प्रक्रिया शासन की निर्धारित गाइडलाइन के अनुरूप और पूरी पारदर्शिता के साथ संपन्न कराई जाती है।

बहू-बेटी सम्मेलन में गूंजा पारिवारिक सौहार्द का संदेश, पुलिस ने महिलाओं को किया जागरूक

स्वतंत्र भारत (ब्यूरो) उन्नाव । महिला सुरक्षा, सम्मान और पारिवारिक सौहार्द को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शनिवार को कोतवाली सदर क्षेत्र की काशीराम चैकी अंतर्गत उम्मीदों के शहर स्थित प्राथमिक विद्यालय परिसर में बहू-बेटी सम्मेलन एवं चैपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों ने संयुक्त रूप से परिवार में प्रेम, सम्मान और आपसी विश्वास बनाए रखने का संदेश दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्षेत्राधिकारी नगर विनी सिंह ने की। उन्होंने कहा कि समाज में महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करना पुलिस की प्राथमिकता है। उन्होंने उपस्थित महिलाओं को 1090, 112 और 108 जैसी महत्वपूर्ण हेल्पलाइन सेवाओं की जानकारी देते हुए जरूरत पड़ने पर उनका तत्काल उपयोग करने की अपील की। परिवार परामर्श समिति के प्रभारी डॉ. आशीष श्रीवास्तव ने कहा कि परिवार की बहू को हमेशा बेटी के समान सम्मान और स्नेह मिलना चाहिए तथा दोनों के बीच किसी प्रकार का भेदभाव नहीं होना चाहिए। वहीं बहुओं से भी सास को मां का दर्जा देते हुए परिवार के सभी सदस्यों के साथ मधुर संबंध बनाए रखने का आग्रह किया। वरिष्ठ सलाहकार डॉ. मनीष सिंह सेंगर ने अपने प्रेरक संस्मरणों के माध्यम से परिवार में प्रेम, संवाद और आपसी विश्वास की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मजबूत पारिवारिक रिश्ते ही स्वस्थ और संस्कारित समाज की नींव होते हैं। सम्मेलन में सास, बहू, ननद, भाभी, मां, बेटियों और छात्राओं सहित बड़ी संख्या में महिलाओं एवं ग्रामीणों ने भाग लिया। उपस्थित महिलाओं ने कहा कि उनके क्षेत्र में पहली बार पुलिस विभाग की ओर से परिवार में प्रेम, समरसता और सम्मान बढ़ाने के उद्देश्य से इस प्रकार का कार्यक्रम आयोजित किया गया है, जिसकी उन्होंने सराहना की। कार्यक्रम के अंत में सास-बहू, ननद-भाभी और मां-बेटी को एक-दूसरे को माला पहनाकर, मुंह मीठा कराते हुए गले मिलवाया गया तथा पारिवारिक सौहार्द बनाए रखने का सामूहिक संकल्प दिलाया गया।

इस अवसर पर प्रभारी निरीक्षक चंद्रकांत मिश्रा, चैकी प्रभारी सभाजीत सिंह चैहान, ग्राम प्रधान संजय, ग्राम रोजगार सेवक प्रेम शंकर, पूर्व सभासद राहुल कश्यप, आरक्षी अतुल, महिला आरक्षी सीमा एवं बबली सहित पुलिस टीम और क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान ग्राम प्रधान संजय, प्रेम प्रकाश और कोटेदार नरेंद्र कुमार ने क्षेत्राधिकारी नगर विनी सिंह को रानी लक्ष्मीबाई का प्रतीक चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। अंत में चैकी प्रभारी सभाजीत सिंह चैहान ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

ऑपरेशन दहन के तहत 89.55 किलो मादक पदार्थ किए गए नष्ट, 37 मामलों में जब्त था 77 लाख का नशा

स्वतंत्र भारत (ब्यूरो) उन्नाव। जनपद में अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत शनिवार को पुलिस ने ऑपरेशन दहन के अंतर्गत बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 77 लाख रुपये कीमत के 89.55 किलोग्राम मादक पदार्थों का विधिक प्रक्रिया के तहत विनिष्टीकरण (निस्तारण) कराया। यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में गठित जिला स्तरीय ड्रग डिस्पोजल कमेटी (डीडीसी) की निगरानी में संपन्न हुई।

पुलिस के अनुसार, न्यायालय से प्राप्त आदेशों के अनुपालन में जनपद के विभिन्न थानों में दर्ज 37 अभियोगों में जब्त मादक पदार्थों का सुरक्षित निस्तारण किया गया। दही थाना क्षेत्र स्थित डी-1 साइट नंबर-1 स्थित एओबी प्राइवेट लिमिटेड के बॉयलर (इन्सिनरेटर) में निर्धारित कानूनी प्रक्रिया और सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए मादक पदार्थों को नष्ट किया गया।

नष्ट किए गए मादक पदार्थों में 85.35 किलोग्राम गांजा, 3.85 किलोग्राम चरस, 100 ग्राम स्मैक तथा 250 ग्राम मॉर्फिन शामिल थी। इन सभी का कुल वजन 89.55 किलोग्राम रहा। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, जब्त मादक पदार्थों का पारदर्शी और सुरक्षित तरीके से विनिष्ठीकरण कराया गया, जिससे इनके दोबारा दुरुपयोग की कोई संभावना न रहे।

पूरी कार्रवाई क्षेत्राधिकारी नगर विनी सिंह की मौजूदगी में संपन्न हुई। इस दौरान ड्रग डिस्पोजल कमेटी के सदस्य, संबंधित थाना प्रभारियों सहित पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे। निस्तारण की पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी कराई गई तथा आवश्यक अभिलेखीय और कानूनी औपचारिकताएं भी पूरी की गईं।

पुलिस अधिकारियों ने कहा कि जनपद में नशे के कारोबार के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। अवैध मादक पदार्थों की तस्करी, बिक्री और भंडारण में संलिप्त लोगों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जा रही है। साथ ही आमजन से अपील की गई है कि यदि कहीं भी अवैध मादक पदार्थों की बिक्री या तस्करी की सूचना मिले तो तत्काल पुलिस को अवगत कराएं, ताकि जनपद को नशामुक्त बनाने के अभियान को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके।

शादी का झांसा देकर ट्रांसजेंडर युवती का कराया लिंग परिवर्तन, लाखों की ठगी और दुष्कर्म का आरोप

एसपी से लगाई न्याय की गुहार, आरोपी पर ब्लैकमेलिंग, मारपीट और धोखाधड़ी के गंभीर आरोपय पुलिस ने जांच शुरू की

स्वतंत्र भारत (ब्यूरो) उन्नाव। चंडीगढ़ निवासी एक ट्रांसजेंडर युवती ने सफीपुर क्षेत्र के एक युवक पर शादी का झांसा देकर लिंग परिवर्तन कराने, लाखों रुपये की ठगी, दुष्कर्म, ब्लैकमेलिंग और मारपीट जैसे गंभीर आरोप लगाते हुए शनिवार को पुलिस अधीक्षक से शिकायत की है। पीड़िता ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

पीड़िता के मुताबिक वर्ष 2024 में उसकी पहचान सोशल मीडिया के माध्यम से सफीपुर कोतवाली क्षेत्र के रायपुर मुस्तफाबाद निवासी एक युवक से हुई थी। बातचीत के दौरान दोनों के बीच प्रेम संबंध स्थापित हो गए। आरोप है कि युवक ने शादी का भरोसा देकर विभिन्न बहानों से उसके बैंक खाते से करीब एक लाख रुपये ऑनलाइन अपने खाते में ट्रांसफर करा लिए। इसके बाद वह कई बार चंडीगढ़ पहुंचा और नशीला पदार्थ देकर उसके साथ अप्राकृतिक संबंध बनाए। शिकायत में कहा गया है कि आरोपी ने उसके आपत्तिजनक वीडियो बनाकर उन्हें वायरल करने की धमकी दी और शादी का झांसा देकर लिंग परिवर्तन कराने का दबाव बनाया। युवक ने यह विश्वास भी दिलाया कि उसका परिवार इस रिश्ते के लिए तैयार है। उसके झांसे में आकर पीड़िता ने फरवरी 2025 में दिल्ली के एक अस्पताल में लिंग परिवर्तन (जेंडर-अफर्मिंग सर्जरी) कराया। पीड़िता का आरोप है कि ऑपरेशन के बाद चिकित्सकों ने कुछ महीनों तक शारीरिक संबंध बनाने से मना किया था, लेकिन आरोपी ने जबरन संबंध बनाए और विरोध करने पर मारपीट की। इस दौरान उसने लाखों रुपये नकद, सोने की चेन, चूड़ियां और एक मोटरसाइकिल भी ले ली। पीड़िता के अनुसार, इन सभी सामानों और नकदी की कुल कीमत करीब साढ़े पांच लाख रुपये है। बाद में उसे जानकारी मिली कि आरोपी पहले से शादीशुदा है और इसी तरह कई अन्य महिलाओं को भी अपने झांसे में लेकर धोखा दे चुका है। मार्च 2026 में आरोपी 50 हजार रुपये लेकर उन्नाव आने की बात कहकर चला गया। इसके बाद परियर पुलिस चैकी में दोनों पक्षों के बीच समझौता हुआ, जिसमें आरोपी ने साथ रहने और सामाजिक रीति-रिवाजों के अनुसार शादी करने का आश्वासन दिया, लेकिन बाद में वह अपने वादे से मुकर गया। पीड़िता का आरोप है कि जून 2026 में जब वह आरोपी के घर पहुंची तो उसके साथ मारपीट की गई। उसने यह भी आरोप लगाया कि स्थानीय पुलिस ने उसकी तहरीर पर न तो मुकदमा दर्ज किया और न ही मेडिकल परीक्षण कराया। न्याय न मिलने पर उसने शनिवार को पुलिस अधीक्षक से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की। इस संबंध में सफीपुर कोतवाली प्रभारी संदीप मिश्रा ने बताया कि शिकायत प्राप्त हुई है। मामले की जांच कर तथ्यों के आधार पर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी।

इलाज में लापरवाही और मनमानी वसूली का आरोप, मेडिसिटी अस्पताल में परिजनों का हंगामा

स्वतंत्र भारत (ब्यूरो) उन्नाव। शहर स्थित मेडिसिटी अस्पताल में शनिवार दोपहर इलाज में कथित लापरवाही और अत्यधिक शुल्क वसूलने के आरोपों को लेकर मरीज के परिजनों ने जमकर हंगामा किया। सूचना मिलते ही सदर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और समझाइश देकर स्थिति को शांत कराया। पुलिस ने मामले में जांच के बाद आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

अचलगंज थाना क्षेत्र के सुपासी गांव निवासी सुल्खान पहलवान पिछले करीब 14 दिनों से मेडिसिटी अस्पताल में भर्ती हैं। मरीज के परिजनों का आरोप है कि भर्ती के समय अस्पताल प्रबंधन ने 48 से 72 घंटे के भीतर मरीज की हालत में सुधार होने और होश में आने का भरोसा दिया था, लेकिन दो सप्ताह बीत जाने के बाद भी मरीज की स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ।

मरीज के भाई ने आरोप लगाया कि इलाज के दौरान अस्पताल प्रबंधन लगातार अलग-अलग किश्तों में धनराशि जमा कराने का दबाव बनाता रहा। कभी 35 हजार तो कभी 40 हजार रुपये जमा कराने को कहा गया। परिजनों का दावा है कि अब तक वे इलाज के नाम पर करीब साढ़े सात लाख रुपये अस्पताल में जमा कर चुके हैं, लेकिन मरीज की हालत जस की तस बनी हुई है। परिजनों का आरोप है कि अब अस्पताल प्रबंधन मरीज को किसी अन्य अस्पताल ले जाने की सलाह देकर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ रहा है। आर्थिक रूप से परेशान परिवार ने अस्पताल से जमा कराई गई धनराशि वापस करने और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

हंगामे के दौरान एक महिला परिजन ने भी अस्पताल प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि भारी रकम लेने के बावजूद मरीज को अपेक्षित उपचार नहीं मिला। उन्होंने दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई और परिवार को न्याय दिलाने की मांग की। सूचना पर सदर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक चंद्रकांत मिश्रा पुलिस बल के साथ अस्पताल पहुंचे। उन्होंने आक्रोशित परिजनों को शांत कराया और दोनों पक्षों की बात सुनने के बाद उचित कार्रवाई का भरोसा दिया।

पहली ही बारिश में धंसी गंगा एक्सप्रेसवे की एग्जिट रोड, निर्माण गुणवत्ता पर उठे सवाल

स्वतंत्र भारत (ब्यूरो) उन्नाव । पहली ही तेज बारिश में गंगा एक्सप्रेसवे के निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो गए। शनिवार को कानपुर-लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग से जुड़ने वाली गंगा एक्सप्रेसवे की एग्जिट रोड का एक हिस्सा अचानक धंस गया। घटना के बाद क्षेत्र में निर्माण की गुणवत्ता को लेकर चर्चाओं का दौर शुरू हो गया। सूचना मिलते ही निर्माण एजेंसी के अधिकारी और कर्मचारी मौके पर पहुंचे और क्षतिग्रस्त हिस्से की मरम्मत का कार्य शुरू करा दिया। गंगा एक्सप्रेसवे के किलोमीटर 421.2 पर, सोनिक के पास स्थित एग्जिट रोड का हिस्सा तेज बारिश के दौरान धंस गया। यह मार्ग एक्सप्रेसवे को कानपुर-लखनऊ हाईवे से जोड़ता है। सड़क धंसने से कुछ समय के लिए आवागमन प्रभावित रहा, हालांकि समय रहते मरम्मत कार्य शुरू होने से स्थिति को नियंत्रित कर लिया गया। निर्माण एजेंसी ने मौके पर जेसीबी और अन्य मशीनें लगाकर धंसे हुए हिस्से की भराई कराई तथा डामरीकरण का कार्य भी शुरू कर दिया। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही सड़क को पूरी तरह सुरक्षित और सुचारु बना दिया जाएगा। गौरतलब है कि इससे पहले भी गंगा एक्सप्रेसवे के निर्माणाधीन हिस्से में डामर उखड़ने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। अब पहली ही बारिश में एग्जिट रोड का धंस जाना निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर नए सिरे से सवाल खड़े कर रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि करोड़ों रुपये की लागत से तैयार हो रहे इस महत्वाकांक्षी एक्सप्रेसवे में यदि पहली बारिश में ही इस तरह की खामियां सामने आ रही हैं, तो निर्माण कार्य की गुणवत्ता की निष्पक्ष जांच कराई जानी चाहिए। उनका कहना है कि भविष्य में इस प्रकार की खामियां बड़े हादसों का कारण बन सकती हैं। फिलहाल निर्माण एजेंसी ने क्षतिग्रस्त हिस्से की मरम्मत शुरू कर दी है, लेकिन घटना ने एक बार फिर गंगा एक्सप्रेसवे के निर्माण कार्य की गुणवत्ता और निगरानी व्यवस्था को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

2027 मिशन पर भाजपा का फोकस

नितिन नवीन ने बनाई चुनावी रणनीति

बैठक में इस बात पर सहमति बनी कि सरकार और संगठन मिलकर 2017 जैसी बड़ी जीत को 2027 में भी दोहराएंगे। इस खास बैठक में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सूर्य प्रताप शाही, भूपेंद्र सिंह चौधरी, स्वतंत्र देव सिंह, डॉ. रमापति राम त्रिपाठी और डॉ. लक्ष्मीकांत वाजपेयी समेत कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन इन दिनों उत्तर प्रदेश के दौरे पर हैं। अपने दो दिनों के दौरे के दौरान वे लगातार भाजपा कार्यकर्ताओं और बड़े पदाधिकारियों के साथ बैठकें कर रहे हैं और आने वाले विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करने का मंत्र दे रहे हैं। अपने इस दौरे में नितिन नवीन ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक से उनके घर पर जाकर मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान उन्हें आम की दावत भी दी गई, जिसका उन्होंने पूरा आनंद लिया। इसके अलावा, उन्होंने एनडीए के सहयोगी दलों के साथ भी 2027 में होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की तैयारियों और रणनीति पर बातचीत की।दौरे के दूसरे दिन नितिन नवीन ने भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्षों के साथ चाय पर चर्चा की। इस बैठक में सभी ने अपने पुराने संगठनात्मक अनुभवों को साझा किया और आने वाले चुनाव में पार्टी को पहले से भी बड़ी जीत दिलाने की योजना पर विस्तार से बात की। बैठक शुरू होने से पहले भाजपा के मौजूदा प्रदेश अध्यक्ष और केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने उनका स्वागत किया। भाजपा सूत्रों ने बताया कि इस बैठक में बूथ स्तर तक संगठन को और मजबूत करने, कार्यकर्ताओं को ज्यादा सक्रिय करने और 2027 के चुनावी रोडमैप पर चर्चा की गई। हालांकि, वरिष्ठ नेता और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष विनय कटियार इस बैठक में शामिल नहीं हो सके। प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कहा कि पूर्व प्रदेश अध्यक्षों के सालों के संगठनात्मक अनुभव और उनकी कार्यशैली से मिली सीख संगठन को और ज्यादा मजबूत व असरदार बनाने में मदद करेगी। वहीं, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बताया कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष की अगुवाई में हुई इस बैठक में सरकार और संगठन के बीच बेहतर तालमेल बिठाने पर चर्चा हुई। उन्होंने दावा किया कि भाजपा अपने अच्छे कामों के दम पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में 2027 में लगातार तीसरी बार उत्तर प्रदेश में सरकार बनाएगी। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने समाजवादी पार्टी पर तीखा निशाना साधते हुए कहा कि प्रदेश की जनता गुंडाराज, माफियाराज, परिवारवाद और दंगों की राजनीति बिल्कुल नहीं चाहती, बल्कि वे विकास, अच्छा शासन और सुरक्षा चाहते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के रहने से ही प्रदेश समृद्ध होगा, जबकि सपा की सरकार आने पर अराजकता और जमीन कब्जाने के मामले बढ़ेंगे। मौर्य ने दावा किया कि अगले 21 सालों तक समाजवादी पार्टी सत्ता से दूर रहेगी और देश व राज्य को 2047 तक विकसित बनाने का लक्ष्य हासिल किया जाएगा।

एनईपी के नेता ने बजरंगबली के मंदिर में बजरंगबली को पत्र सौंपते हुए मामले में दखल देने की मांग की

अयोध्या स्थित भगवान श्री राम के मंदिर में चढ़ावे में हुई चोरी का मामला तूल पकड़ चुका है। ऐसे में विपक्ष सरकार पर तरह-तरह के आरोप लगा रहा है, जबकि मामले में गठित की गई एसआईटी ने कुछ लोगों को गिरफ्तार भी किया है। वहीं, अब वाराणसी में एक अनोखी तस्वीर देखने को मिला, जहां नेशनल इक्वल पार्टी (एनईपी) के नेता ने बजरंगबली के मंदिर में बजरंगबली को पत्र सौंपते हुए मामले में दखल देने की मांग की है। वाराणसी में बजरंगबली के मंदिर में एनईपी नेता शशि प्रताप सिंह ने राम मंदिर में हुए चढ़ावा चोरी के मामले को लेकर बजरंगबली से गुहार लगाई है। हनुमान मंदिर पहुंचे शशि प्रताप सिंह ने हनुमान जी को एक खत लिखा है, जिसमें उन्होंने उनके आराध्य देव भगवान श्री राम से जुड़े मामले में दखल देने की मांग की है। शशि प्रताप सिंह ने बताया कि उन्हें अब पुलिस और एसआईटी की जांच पर भरोसा नहीं है। वह चाहते हैं कि बजरंगबली स्वयं इस मामले की जांच करें। शशि प्रताप सिंह ने बताया कि भगवान राम के ऊपर जब-जब विपत्ति आई है, बजरंगबली ने ही हर विपत्ति से लड़ने में उनकी मदद की है। चाहे माता सीता का अपहरण हो या फिर रावण के साथ युद्ध, हर बार बजरंगबली ने भगवान राम की सहायता की है। ऐसे में भगवान श्री राम के मंदिर में हुई चोरी के मामले में भी बजरंगबली भगवान श्री राम की सहायता करेंगे। शशि प्रताप सिंह ने कहा है कि मामले में एसआईटी ने छोटी मछलियों को गिरफ्तार किया है, जबकि बड़ी मछलियां खुलेआम घूम रही हैं। उन्होंने बजरंगबली के ही अदालत पर भरोसा जताया है। शशि प्रताप सिंह के मुताबिक, भगवान राम के मंदिर में हुई चोरी से करोड़ों हिंदुओं की आस्था को आघात पहुंचा है। अब बजरंगबली ही एकमात्र ऐसे देव बचे हैं, जो इस पूरे प्रकरण का पता लगाकर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर सकते हैं।

पिंकी हत्याकांड का महज 48 घंटे में खुलासा

उत्तर प्रदेश के सीतापुर में देहात कोतवाली क्षेत्र के पंचमपुरवा में हुई सनसनीखेज पिंकी हत्याकांड का पुलिस ने महज 48 घंटे में खुलासा कर दिया है। इस मामले में पुलिस ने महिला समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। हत्या में इस्तेमाल किया गया बेलचा भी बरामद कर लिया गया है। जांच में सामने आया कि हत्या के पीछे अवैध संबंध और लव ट्राएंगल का मामला सामने आया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी शिव कुमार शुक्ला जो कि जिले लखीमपुर खीरी के मैगलगंज का रहने वाला है। वह पंचमपुरवा में जीतू गुप्ता के मकान में किराए पर था। शिव कुमार शुक्ला का पड़ोस की रहने वाली पिंकी और लक्ष्मी नाम की महिला दोनों से अवैध संबंध थे। लक्ष्मी को जब शिव कुमार और पिंकी के रिश्तों की जानकारी हुई तो उसने शिव कुमार पर पति के रूप में साथ रहने का दबाव बनाना शुरू कर दिया। शिव कुमार के विरोध करने पर लक्ष्मी ने पूरी हत्या की साजिश रच डाली। इस साजिश में लक्ष्मी खुद भी शामिल हुई। उसने अपने प्रेमी शिव कुमार शुक्ला के साथ मिलकर पिंकी को रास्ते से हटाने की योजना बनाई। शिव कुमार ने अपने साथी दिलीप को भी इस हत्याकांड में शामिल कर लिया। साजिश के तहत शिवकुमार शुक्ला, लक्ष्मी और दिलीप 3 जुलाई की रात को पिंकी के घर पहुंचे जिसमें शिव कुमार के आवाज देकर पिंकी से कमरे का दरवाजा खुलवा बताते हैं कि पिंकी दरवाजा खोलने के बाद फिर बिस्तर पर जाकर सो गई। इसी बीच तीनों ने मिलकर घर में रखे बेलचे से ताबड़तोड़ सर पर प्रहार कर पिंकी की निर्मम हत्या कर दी। इतना ही नहीं घटना को अंजाम देने के बाद शिव कुमार शुक्ला ने ही सबसे पहले पुलिस को सूचना दी थी। तीनों ने सनसनीखेज हत्याकांड को चोरी के दौरान हत्या को अंजाम दिए जाने के लिए घर में लगे टीवी और गैस चूल्हा उठाकर ले गए। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि तीनों ने मिलकर पहले हत्या की और फिर उसे चोरी के दौरान हुई हत्या का रूप देने की साजिश रची। वारदात के बाद आरोपी घर से टीवी और गैस चूल्हा भी उठा ले गए, ताकि पुलिस को लगे कि चोरी के दौरान हत्या हुई है। पिंकी हत्याकांड के खुलासे को लेकर एसपी के निर्देश पर गठित टीम ने सर्विलांस, सीसीटीवी और मुखबिर की सूचना के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरू की।

सपा कार्यकर्ता चुनाव के लिए तैयार - शिवपाल यादव

समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता शिवपाल सिंह यादव ने रविवार को फिरोजाबाद पहुंचकर भारतीय जनता पार्टी और प्रदेश सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने दावा किया कि साल 2027 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाएगी और अखिलेश यादव उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बनेंगे। शिवपाल यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने देश और प्रदेश की जनता के लिए कोई अच्छा काम नहीं किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार केवल झूठ बोलने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार चरम पर है, जिससे जनता पूरी तरह परेशान है। यही वजह है कि साल 2027 में जनता भाजपा को सत्ता से बाहर कर समाजवादी पार्टी को मौका देगी। जब उनसे ओम प्रकाश राजभर द्वारा लगातार अखिलेश यादव पर लगाए जा रहे आरोपों के बारे में पूछा गया तो शिवपाल यादव ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, उनके बोलने का कोई मतलब नहीं है। उनको इलाज की जरूरत है। कोई विशेषज्ञ डॉक्टर ही उनका इलाज कर सकता है। अयोध्या के राम मंदिर में कथित चोरी की घटना का जिक्र करते हुए शिवपाल यादव ने कहा कि भगवान राम के मंदिर से जुड़ी चोरी के मामले में छोटे-छोटे लोगों को फंसाया जा रहा है, जबकि बड़े लोगों को बचाया जा रहा है। उन्होंने मांग की कि मामले की निष्पक्ष जांच हो और ट्रस्ट से जुड़े लोगों के साथ-साथ उन्हें संरक्षण देने वालों की भूमिका की भी जांच की जाए। भाजपा सरकार पर लोकतांत्रिक संस्थाओं की अनदेखी का आरोप लगाते हुए शिवपाल यादव ने कहा कि यह सरकार लोकतंत्र, संविधान और कानून का सम्मान नहीं करती। उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश की जनता भाजपा से नाराज है और समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता चुनाव के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने दावा किया कि जनता भी बदलाव चाहती है और समय आने पर समाजवादी पार्टी भाजपा का मजबूती से मुकाबला करेगी।